मित्र समाचार

अंक 15 प्रकाशन 3 मार्च 2025

यदि तुम मेरी आज्ञाओं को मानोगे, तो मेरे प्रेम में बने रहोगे; जैसा कि मैंने अपने पिता की आज्ञाओं को माना है, और उसके प्रेम में बना रहता हूँ। यूहन्ना 15:10

आज्ञाकारिता

परमेश्वर की आज्ञा बढ़कर मानना

प्रथम पंक्ति....

विश्वासयोग्य आज्ञाकारिता

अरब के घोड़ों को मध्य पूर्व के रेगिस्तानों में कठोर प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है। उनकी आज्ञाकारिता की परीक्षा उन्हें कई दिनों तक पानी से वंचित करके और फिर उन्हें पानी के स्रोत के पास छोड़ कर की जाती है। पानी पीने से ठीक पहले, प्रशिक्षक सीटी बजाता है। अगर घोड़ों ने वाकई आज्ञा पालन करना सीख लिया है, तो वे अपने प्रशिक्षक के पास वापस आ जाएँगे, जो फिर उन्हें पानी उपलब्ध कराएगा। प्रशिक्षक उनकी जरूरतों को जानता है और उन्हें प्यास से मरने नहीं देगा। अरब के विशाल, पगडंडी रहित रेगिस्तान में, घोड़े की आज्ञाकारिता का मतलब जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर हो सकता है। इस तरह की आज्ञाकारिता, हालांकि गंभीर है, तब जरूरी है जब आपका जीवन आपके घोड़े की विश्वसनीयता पर निर्भर करता है।

इसी तरह, FMPB के 9 सिद्धांतों में से एक "आज्ञाकारिता" है, जो यूहन्ना 15:10 में निहित है। परमेश्वर हमें नूह और अब्राहम जैसे कई बाइबिल पात्रों के माध्यम से आज्ञाकारिता के बारे में सिखाता है। पवित्रशास्त्र में, परमेश्वर अपने आदेशों, अपने द्वारा नियुक्त अगुवों और देश के कानूनों के प्रति आज्ञाकारिता की आवश्यकता पर जोर देता है। अवज्ञा के परिणाम गंभीर हैं, जैसा कि व्यवस्थाविवरण 28 में देखा गया है।

आज्ञाकारिता की शक्ति को दर्शाने वाली एक बाइबिल कहानी है जब पतरस, मछली पकड़ने की एक बेकार रात से थक गया, उसने गहरे पानी में अपना जाल डालने के लिए यीशु की आज्ञा का पालन किया। अपनी थकान और संदेह के बावजूद, पतरस की आज्ञाकारिता ने एक चमत्कारिक पकड़ (लूका 5:5) को जन्म दिया। परमेश्वर हमें सबसे असंभव और समझ से परे परिस्थितियों में भी आज्ञाकारी होने के लिए कहता है, जैसा कि होशे की विवाह की कहानी में दिखाया गया है (होशे 1:2–3)। विलंबित या आधे-अधूरे मन से आज्ञाकारिता वास्तव में आज्ञाकारिता नहीं है।

आज्ञाकारिता हमारा कर्तव्य है (सभोपदेशक 12:13; लूका 17:7–10); यह परमेश्वर के प्रति हमारे प्रेम की अभिव्यक्ति है (यूहन्ना 14:15) और हमारी विनम्रता का संकेत है (नीतिवचन 22:4)। आज्ञाकारिता के माध्यम से, परमेश्वर की महिमा होती है (लैव्यव्यवस्था 9:22–23), शांति प्राप्त होती है (2इतिहास 14:1–6), और चमत्कार होते हैं (1राजा 14:13–16)। हमारा जीवन समृद्ध होगा (यहोशू 1:6–9), और हम आशीषों से भरा जीवन अनुभव करेंगे (निर्गमन 15:26)।

आज्ञाकारिता का लक्ष्य, सबसे कठिन और अतार्किक परिस्थितियों में भी, पूरे हृदय से तुरंत आज्ञा का पालन करना है, ठीक उसी प्रकार जैसे घोड़ों को अपनी अत्यधिक प्यास के बावजूद अपने प्रशिक्षक की सीटी का पालन करना होता है।

अवज्ञा के परिणाम गंभीर होते हैं – जैसा कि हमने आदम और हव्वा के मामले में देखते हैं, इस्राएल पर जो उलझन आई, शिमशोन का खेद, योना की मृत्यु, दाऊद का दुःख, और इस्राएल की गुलामी।

जब हम आज्ञा मानने का चुनाव करते हैं, तो हमें उपहास का सामना करना पड़ सकता है या मूर्ख समझा जा सकता है। परन्तु हमें याद दिलाया जाता है कि आज्ञाकारिता बलिदान से बेहतर है। और जब हम आज्ञा मानते हैं, तो हम भरोसा कर सकते हैं कि हमारा परमेश्वर हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा और हमें आशीर्वाद देता रहेगा।

आइए हम परमेश्वर के निरन्तर मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना करें, ताकि हम उसकी इच्छा के प्रति अधिक आज्ञाकारिता के साथ चल सकें।

– मर्सी सेल्विन *(संचार विभाग)*

अपनी आज्ञाकारिता को कभी भी परमेश्वर द्वारा आशीर्वाद दिए जाने का कारण न मानें; आज्ञाकारिता परमेश्वर के साथ सही संबंध होने का परिणाम है
– ओसवाल्ड चेम्बर्स

तब पतरस और अन्य प्रेरितों ने उत्तर दिया, "मनुष्यों की आज्ञा से बढ़कर परमेश्वर की आज्ञा का पालन करना ही हमारा कर्तव्य है।"
– प्रेरित 5:29

ईश्वर के महान कार्य आमतौर पर आज्ञाकारिता के सरल कार्यों से पहले होते हैं।
– स्टीफन फर्टिक

"क्या यहोवा होमबलियों और मेलबलियों से उतना प्रसन्न होता है, जितना कि अपनी बात के माने जाने से प्रसन्न होता है? सुन, मानना तो बलि चढ़ाने से और कान लगाना मेढ़ों की चर्बी से उत्तम है।"
1शमूएल 15:22

परमेश्वर के प्रति आज्ञाकारिता उनके प्रति सच्चा और सर्वोच्च प्रेम का सबसे अचूक प्रमाण है।
– नथनएल एम्मोंस

मित्र समाचार

हमारा दर्शन :

यीशु मसीह के सुसमाचार के साथ अपहुंच भारतीयों तक पहुँचना।

हमारा मिशन :

देश में यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करना, परिवर्तित समुदाय के निर्माण के लिए सेवा करना और उनकी बड़ी भागीदारी के लिए भारतीय कलीसियाओं के साथ दर्शन को साझा करना।

एफ.एम.पी.बी. देश भर में कलीसियाओं की स्थापना करने के लिए कलीसिया के अंग के रूप में कार्य करती है।

एफ.एम.पी.बी. विभिन्न जन समूहों के बीच में संतृप्ति सुसमाचार का प्रचार करती है। एफ.एम.पी.बी. कलीसियाओं, संस्थानों, परिवारों और व्यक्तियों को इसके काम में समर्थन देने और प्रार्थना करने हेतु आमंत्रित करती है।

टिप्पणी, सिफारिश
और अनुरोध के लिए
feedbackfmpb@fmpb.org

मित्र समाचार

एफ.एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

प्रकाशक एवं संपादक
एस. जॉन बर्लिन

अंशदान	भारत	विदेश
वार्षिक	100 रुपये	600 रुपये
आजीवन	600 रुपये	5,000 रुपये

H.Q: 29, High School Road, Ambattur,
Chennai - 600 053
Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353
Cell: 9444394342
E-mail: info@fmpb.org
Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb

महासचिव की मेज से...

वंचितों तक पहुँचने के मिशन में
प्रिय सहयोगियों,

यह एफएमपीबी के महासचिव के रूप में मेरा आखिरी संपादकीय है। 1 अप्रैल 2021 से अब तक, प्रभु ने मुझे बनाए रखा है और इस महान संगठन के महासचिव की जिम्मेदारी निभाने के लिए मुझे आगे बढ़ाया है। पहले दिन से, मुझे पता था कि मेरी जिम्मेदारी सिर्फ प्रभु के नक्शेकदम पर चलना और उनकी अगुवाई के प्रति आज्ञाकारी होना है। अपनी पूरी क्षमता और ज्ञान के साथ, मैंने यही करने की कोशिश की। मैं 31 मार्च 2025 को महासचिव के रूप में जिम्मेदारी पूरी करूँगा। जैसा कि यीशु ने कहा मेरे बिना तुम कुछ भी नहीं कर सकते, मैं सारी महिमा, सम्मान और प्रशंसा परमेश्वर को देता हूँ जो प्रशंसा के योग्य है। इसलिए, जैसा कि दाऊद ने 2शमूएल 7:18 में प्रार्थना की, मैं भी प्रार्थना करता हूँ "हे प्रभु, मैं कौन हूं? और मेरा परिवार क्या है, कि तूने मुझे यहाँ तक पहुँचाया है?

पिछले 4 वर्षों से आप सभी ने लगातार मेरी प्रार्थनाओं के माध्यम से मेरा साथ दिया है, जिसके कारण मुझे कोरोना और उत्पीड़न जैसी कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलने में मदद मिली है, इसके लिए मैं आप सभी का धन्यवाद करना मेरी जिम्मेदारी और उचित है। मैं हमारे प्रेमी परमेश्वर की असीम और अतुलनीय कृपा से संतुष्टि और तृप्ति की भावना के साथ इस पद से सेवानिवृत हो रहा हूँ। मैं मिशनरियों और प्रार्थना समूह के अगुवों और सदस्यों के साथ सेवा करने का अवसर देने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देता हूँ। परमेश्वर के राज्य के विस्तार के लिए चर्च और मिशन अगुवों के साथ प्रभु की सेवा करना एक विशेषाधिकार है। आप सभी के साथ 4 साल की सेवा की हरी यादें मेरे दिमाग में लंबे समय तक रहेंगी।

प्रबंधन समिति की बैठक:
यह प्रबंध समिति की सभा अध्यक्ष के रूप में मेरी आखिरी सभा है। परमेश्वर ने इस सभा को आशीर्वाद दिया और सभा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

नये क्षेत्रीय सचिवों का अभिमुखीकरण:
नवनियुक्त फील्ड सचिवों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम नागपुर में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में 9 परिवार शामिल हुए और यह एक साथ सीखने का आशीषमय समय था।

वल्लम अराईकूवल सभा:
25 और 26 तारीख को अराईकूवल मीटिंग का आयोजन वल्लम मोबिलाइजेशन मानद सचिव द्वारा किया गया था। कुछ पादरीगण भी इस सभा में शामिल हुए और प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया। परमेश्वर ने इस सभा को अद्भुत तरीके से आशीर्वाद दिया। दूसरे दिन 4 मिशनरियों को परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित किया गया।

मिरकल शकिना असेंबली चर्च, चेंगलपट्टू
26 तारीख को मैंने चेंगलपट्टू के मिरकल शकिना असेंबली चर्च में दोनों आराधना में परमेश्वर का वचन बोला। FMPB को अपनी दोनों सेवाओं में हमारी सेवा प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए FMPB चर्च के पादरी के आभारी है। मिशनरी और पंजाब के विश्वासियों की टीम विश्वासियों को प्रार्थना करने के लिए प्रेरित करने के लिए अपनी सेवा साझा करती है।

सितारा क्षेत्र सभा:
नवगठित चर्चों और मण्डलियों में सांस्कृतिक

संवेदनशीलता को संबोधित करने और सेवकाई को मजबूत करने के लिए मैंने सितारा क्षेत्र के मिशनरियों, प्रचारकों और कलीसिया के प्राचीनों से बात की।

खानदेश क्षेत्र के मिशन क्षेत्रों का दौरा:

1 और 2 फरवरी को, मिशन क्षेत्र के अगुवों के साथ, मैंने खानदेश क्षेत्र के सभी मिशनरियों से उनके घरों में मुलाकात की। मिशनरी कठिन क्षेत्रों में प्रतिबद्धता के साथ प्रार्थनापूर्वक प्रभु की सेवा कर रहे हैं। उन्हें हमारी प्रार्थनाओं की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय योजना सम्मेलन प्रार्थना दिवस:

7 तारीख को, राष्ट्रीय योजना सम्मेलन 2025 की शुरुआत सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक 11 घंटे की उपवास प्रार्थना के साथ हुई। फील्ड और मोबिलाइजेशन के सचिवों ने सेवकाई से सम्बन्धित प्रार्थना विषयों को साझा किया और सभा ने ईमानदारी से प्रार्थना की।

राष्ट्रीय योजना सम्मेलन:

राष्ट्रीय योजना सम्मेलन 8 और 9 फरवरी को आयोजित किया गया था। दोनों दिन कई रिपोर्ट प्रस्तुत की गईं और उनपर चर्चा हुई। दूसरे दिन, आने वाले वर्ष के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्रस्तुत किया गया और प्रतिभागियों ने प्रार्थना और दर्शन को साझा करके इस राष्ट्र तक पहुँचने की गहरी प्रतिबद्धता के साथ सभा स्थल से प्रस्थान किया।

कार्यकारिणी समिति की बैठक:

कार्यकारिणी समिति की 223वीं सभा 7, 9 और 10 फरवरी को सफलमापुर्वक आयोजित की गई।

उत्तर भारत मोबिलाइजेशन मिशनरी प्रशिक्षण:

उत्तर भारत मोबिलाइजेशन में कार्यरत मिशनरियों के लिए 10 और 11 तारीख को मोबिलाइजेशन विधियों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पूंडी भवन लोकार्पण:

पूंडी परिसर में निर्मित एक अतिरिक्त छात्रावास भवन का समर्पण को 12 फरवरी को परमेश्वर की महिमा के लिए किया गया। तिरुवल्लूर जिले के मोबिलाइजेशन अगुवों ने इस परियोजना को पूरा करने के लिए ध्यान केंद्रित करके काम किया।

अंचलीय एवं क्षेत्रीय सचिवों की बैठक:

अंचलीय एवं क्षेत्रीय सचिवों की बैठक 13 और 14 फरवरी को चेन्नई में आयाकजत की गई थी। इसमें सेवकाई के विस्तार और स्वदेशीकरण को मजबूत करने पर चर्चाएँ की गईं और योजना बनाई गईं।

सचिवों का नेतृत्व प्रशिक्षण:

15 से 18 तारीख तक फील्ड सचिवों के लिए नेतृत्व प्रशिक्षण आयोजित किया गया। हाग्गै इंडिया के संकायों और मैंने नेतृत्व पर विषय पर शिक्षा प्रदान किए।

कृपया मेरे मार्च महीने की सेवकाई के लिए प्रार्थना करें।

- फील्ड अंचलीय सचिवों की सभा 1 और 2 मार्च को झाँसी में होगी।
- एकल मिशनरी सम्मेलन एनआईएम परिसर, झाँसी में 3 और 4 मार्च को आयोजित किया गया है।
- एनएसएम बोर्ड की बैठक 8 मार्च को निर्धारित है
- उत्तर पश्चिमी क्षेत्रीय आध्यात्मिक जीवन सम्मेलन 10 से 13 मार्च तक देहरादून में आयोजित किया जाएगा।
- परमेश्वर की इच्छा हो तो 15 और 16 मार्च को भवानी, इरोड में विभिन्न मोबिलाईज़ेशन बैठकों में बोलूँगा।
- 18 से 20 मार्च तक विभागीय सचिवों की प्रार्थना और योजना सभा बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी।
- डेन्कनीकोट्टई क्षेत्रीय चर्च परिषद की आम सभा की बैठक 22 मार्च को होगी।
- यूनाइटेड क्रिश्चियन प्रेयर फॉर इंडिया के सलाहकार मंच की बैठक और परामर्श 24

से 27 मार्च तक बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा।

- बेथेल कृषि फेलोशिप बोर्ड की बैठक 28 मार्च को बेथेल परिसर, डेनिशपेट, सेलम में निर्धारित की गई है।

नये महासचिव का चयन:

चूँकि महासचिव के रूप में मेरा कार्यकाल 31 मार्च 2025 को समाप्त हो रहा है, इसलिए संगठन ने हमारे वर्तमान सचिव दक्षिण भारत मोबिलाइजेशन के रेव्ह. विजय प्रसन्ना इसाहक को हमारे अगले महासचिव के रूप में चुना है। रेव्ह. विजय के बारे में संक्षिप्त परिचय इस पत्रिका के अंदर दिया गया है। FMPB परिवार हमारे नए महासचिव का स्वागत करती है और आप सभी से अनुरोध करता है कि आप उनके लिए प्रतिदिन प्रार्थना करें ताकि प्रभु FMPB में अपनी योजना को पूरा करने के लिए उनका उपयोग करें।

मैं अपने अंतिम संपादकीय को फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड के सेवकाई को मजबूत समर्थन देने के लिए आप सभी को धन्यवाद और प्रशंसा के साथ समाप्त करता हूँ। आईए हम यीशु मसीह के सुसमाचार के साथ इस विशाल राष्ट्र तक पहुँचने की इस खोज में एक साथ अपनी यात्रा जारी रखें।

मसीह के मिशन में आपका साथी यात्री

रेव्ह. जॉन बर्लिन एस.

तुम्हारे बुढ़ापे में भी मैं वैसा ही बना रहूँगा और तुम्हारे बाल पकने के समय तक तुम्हें उठाए रहूँगा। मैं ने तुझे बनाया और तुम्हें लिये फिरता रहूँगा; मैं तुम्हें उठाए रहूँगा और छुड़ाता भी रहूँगा। यशायाह 46:4

एक आनन्द भरी घोषणा

फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड के सभी अगुवे, मिशनरी एवं प्रार्थना साझेदारों: परमेश्वर ने कार्यकारी समिति को रेव्ह. विजय पी. इसाहक को आन्दोलन के नए महासचिव के रूप में चुनने में सक्षम बनाया है और हम ईश्वर को धन्यवाद देते हैं कि EC सर्वसम्मति से इस निर्णय पर पहुँच सका। रेव्ह. विजय पी. इसाहक 1 अप्रैल 2025 से FMPB महासचिव की भूमिका संभालेंगे, जो वर्तमान महासचिव रेव्ह. जॉन बर्लिन के कार्यकाल के पूरा होने पर प्रभावी होगा। FMPB परमेश्वर का एक आंदोलन है जिसे परमेश्वर के उद्देश्य से राष्ट्र को परमेश्वर के प्रेम से छूने का काम सौंपा गया है। हमें खुशी है कि प्रभु हमारे साथ हैं और हमें आगे बढ़ने में मार्गदर्शन कर रहे हैं। हम आपकी निरंतर प्रार्थनाओं की कामना करते हैं, परमेश्वर आप सबों को आशीष दे। परमेश्वर FMPB को आशीर्वाद दे।

सम्मान

श्री जॉन सामुएल

अध्यक्ष–एफएमपीबी

आज्ञा मानना बलि चढ़ाने से उत्तम है

जैसा कि मेरियम वेबस्टर शब्दकोश में दिया गया है आज्ञाकारिता का अर्थ कार्य है। आज्ञाकारिता एक ऐसा व्यवहार है जो समाज के नियमों और कानूनों के प्रति सम्मानपूर्ण और सजग होता है।

चाहे वह घर हो, समाज हो, समुदाय हो या कार्यस्थल में हो, आज्ञाकारिता एक ऐसा गुण है जिसे तब तक व्यवहार में लाना आसान नहीं होता है जब तक कि यह मानव व्यवहार का अभिन्न अंग न बन जाए। आज्ञाकारिता एक परिवार को सद्भाव में रहने और सेना, पुलिस, नागरिक समाज आदि जैसी संस्थाओं के रूप में एक सुसंगत रूप में विकसित होने में मदद करती है, ताकि बेहतर जीवन जीने के अपने उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। यह कई आध्यात्मिक अनुशासनों में से एक है। एक पिता अपनी पत्नी और बच्चों से आज्ञाकारिता की अपेक्षा करता है (इफिसियों 5)। एक नेता अपने अधीनस्थों से आज्ञाकारिता की अपेक्षा करता है। बाइबिल के अनुसार, परमेश्वर ने अपनी रचना, मानव जाति को स्वस्थ जीवन जीने के लिए उसकी आज्ञाओं का पालन करने का आदेश दिया है। आर्थर वालिस, एक द्वितीय विश्व युद्ध के अनुभवी जो बाद में एक मिशनरी बन गए थे, कहते हैं कि "एक सैनिक का पहला कर्तव्य आज्ञाकारिता है, दूसरा आज्ञाकारिता है और तीसरा भी आज्ञाकारिता है।"

FMPB का भी मूल सिद्धांत आज्ञाकारिता है। यह आंदोलन अपने सभी सदस्यों से अपेक्षा करता है कि वे पूर्णकालिक और स्वयंसेवक दोनों ही तरह से हमारे प्रभु और स्वामी, यीशु मसीह और उनकी आज्ञाओं का पालन करें। यीशु आज्ञाकारिता का सबसे अच्छा उदाहरण था; कोई भी इसे अनदेखा नहीं कर सकता।

बाल अवस्था में:

यीशु अपने सम्पूर्ण जीवनकाल में आज्ञाकारी रहा। एक बार वे यरूशलेम के मंदिर में रह गया और पाया गया कि वे महासभा के सदस्यों के साथ गहन विचार–विमर्श कर रहे थे, उनके माता–पिता को इसकी जानकारी नहीं थी। जब माता–पिता उसे खोजते हुए वापस आए और उन्हें चेतावनी दी, – तो वह उनके साथ गया और नासरत में आकर उनके अधीन रहा। लूका 2:51

अपने जीवन यात्रा में:

यीशु अपने स्वर्गीय पिता की इच्छा को पूरा करने के लिए बढ़ई के कार्य में और परमेश्वर के पुत्र के रूप में दोनों में आज्ञाकारी रहा। स्वेच्छा से समर्पण करने से हमें अपने उद्धारकर्ता यीशु मसीह की प्रशंसा मिलेगी और इस आयत को याद करके भी हमें संतुष्टि मिलेगी, "जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं उनके लिए सब बातें भलाई ही को उत्पन्न करती है।" रोमियों 8:28

अपने व्यक्तिगत जीवन में:

जब यीशु को संभावित खतरा माना जाता था, तो वह दूसरों की टिप्पणियों की परवाह किए बिना लोगों की भलाई करने में व्यस्त रहा। उनकी आँखें हमेशा परमेश्वर पिता पर केन्द्रित रहती थीं। वह हमेशा अपने पिता से मिलने वाली शिक्षा का पालन करता था। मैं तुमसे सच सच कहता हूँ, पुत्र आप से कुछ नहीं कर सकता, केवल वह जो अपने पिता को करते देखता है, क्योंकि जिन जिन कामों को ह करता है उन्हें पुत्र भी उसी रीति से करता है। –यूहन्ना 5:19

अपने व्यवसाय में:

उसने कभी लोकप्रियता की चाहत या लालसा नहीं

की। वह आज्ञाकारी था और अपने शिष्यों से कुछ भी छिपाता नहीं था। उसकी शिक्षा शुद्ध थी। उसका कभी कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं था। उसका जीवन पारदर्शिता से भरा हुआ था। यीशु ने उसको उत्तर दिया, "यदि कोई मुझसे प्रेम रखेगा तो वह मेरे वचन को मानेगा, और मेरा पिता उससे प्रेम रखेगा, और हम उसके पास आएंगे, और उसके साथ वास करेंगे।" यूहन्ना 14:23

अपने उत्साह में:

कैथरीन मार्शल कहती हैं, "मैंने सीखा है, गेथसेमनी बारी में यीशु की प्रार्थना हमारे लिए एक आदर्श है।" मसीह क्रूस से बच सकता था। उसे आखिरी बार यरूशलेम जाने की जरूरत नहीं थी। वह याजकों के साथ समझौता कर सकता था, कैफा के साथ सौदेबाजी कर सकता था। वह अपने अनुयायियों का फायदा उठा सकता था और सांसारिक राज्य की शुरुआत करके यहुदा को खुश कर सकता था। पिलातुस उसे रिहा करना चाहता था, परन्तु उसने उससे सही शब्द कहने की विनती की ताकि वह रिहा हो सके। बगीचे में, मसीह के पास वहाँ से भाग निकालने के लिए बहुत समय था, परन्तु उसने अपनी स्वतंत्र इच्छा का इस्तेमाल करके अपने पिता पर निर्णय छोड़ दिया।

यही आज्ञाकारिता है। कठिनाई के समय में भी अपने आप को परमेश्वर की इच्छा के अनुसार चलने देना, ऊपर से शक्ति प्राप्त करना।

अपने दुख में – (उत्पीड़न से निपटना):

उसने कभी भी प्रतिशोध लेने का प्रयास नहीं किया। वह चुप रहा। अपने उत्पीड़कों (सृजित प्राणियों) के हाथों चुपचाप पीड़ित रहा। उसके पास उनके पापों को क्षमा करने की उदारता थी। कभी भी अपने पिता के अधिकार का उपयोग करने की कोशिश नहीं की, जैसा कि सत्ता में बैठे नेता कभी–कभी करते हैं। अधिकारियों, शासकों के सामने खड़े होने पर, उसने अपनी शक्ति नहीं दिखाई। अन्य शक्तिशाली लोगों की तरह कभी भी दूसरों को धमकाने की कोशिश नहीं की। जब उनके दैनिक जीवन में उसकी निंदा की जाती थी, तो वह चुप रहता था। यह सब इसलिए था क्योंकि वे सुबह–सुबह प्रार्थना में अपने पिता के साथ बहुत करीबी रिश्ता रखता था।

–क्योंकि जैसा एक मनुष्य के आज्ञा न मानने से बहुत लोग पापी ठहरे, वैसे ही एक मनुष्य के आज्ञा मानने से बहुत लोग धर्मी ठहरेंगे। रोमियों 5:19

पूर्णकालिक कर्मचारी सोच सकते हैं कि एक समृद्ध क्षेत्र से सूखे क्षेत्र में स्थानांतरण एक अन्याय है। फिर भी जब हम अपने सृष्टिकर्ता परमेश्वर की ओर देखते हैं, तो वह हमें अपने अगुवों के अधिकार के अधीन होने में मदद करता है। कई बार, आपके सहकर्मी को पदोन्नति के लिए प्राथमिकता दी जाती है, जो जातीय पृष्ठभूमि या पक्षपात के कारण हो सकता है। चाहे परिस्थिति कुछ भी हो, हमें हमेशा सुसमाचार प्रचार करने में परमेश्वर के महान आदेश का पालन करके उसके वचन का संदर्भ लेना सीखना चाहिए, भले ही हम सुविधाओं और लाभों की गिनती करें, चुनौतियों पर विचार करें और लागत की गणना करें।

इस महाउपवासकाल के दौरान, आईए हम परमेश्वर के पुत्र की ओर देखें, और हमारे प्रभु यीशु द्वारा कलवरी के क्रूस पर सहे गए कष्टों पर ध्यान दें और अपने जीवन के सभी क्षेत्रों में उनका अनुकरण करने का प्रयास करें। उन्हें सारी महिमा, प्रशंसा और सम्मान मिले।

प्रेम अंतर्निहित धारा है
अपने स्वामी की आज्ञा का पालन है करना
यीशु यूहन्ना के सुसमाचार में स्पष्ट है करता
आज्ञाकारिता ही इसकी पहचान है वह मांग है करता
अंतर्निहित आज्ञाकारिता गिनी है जाती
जबकि विलंबित नहीं है आज्ञाकारिता
समय स्लॉट के लिए मायने है रखता
सदैव दृष्टिकोण में परमेश्वर की
दो बेटों के दृष्टांत में
यीशु ने युवा के कार्य की सराहना की
पहले बेटे की अनिच्छा को नजरअंदाज करके
कहते हैं कि उसने परमेश्वर की इच्छा पूरी की।

– श्रीमती मेकालाइसेलवी प्रभाकर,
मोबिलाइजेशन

हमारे नए महासचिव का

हृदय से हार्दिक स्वागत

रेव्ह. विजय प्रसन्ना इसाहक का जन्म कर्नाटक के बेंगलुरु में श्री डी. विक्टर इसाहक और श्रीमती थंगम इसाहक के घर हुआ था। उन्होंने बहुत कम उम्र में अपने पिता को खो दिया था और उनका पालन–पोषण उनकी माँ ने किया था, जिन्होंने उन्हें प्रभु यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया और बेंगलुरु में स्टेनली प्रिंस अन्नान की सभा के दौरान परमेश्वर की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनकी माँ एक प्रार्थना योद्धा, प्रार्थना समूह की अगुवा और FMPB की अनुयायी समर्थक थीं, जिन्होंने मिशनरी कार्य के लिए उदारतापूर्वक प्रार्थना की और योगदान दिया। उन्होंने प्रार्थनापूर्वक उनका पालन–पोषण किया और उन्हें बाइबिल के मूल्यों और मिशनों के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ परमेश्वर के भय में तैयार किया। एक आध्यात्मिक पुत्र के रूप में उन्हें रेव्ह. डी. हैरिस हिल्टन द्वारा मार्ग दर्शन दिया गया, जो हमारे पहले मिशनरी थे जिन्होंने उन्हें हमारी मातृभूमि भारत में महान आदेश को पूरा करने के लिए जुनून, दृष्टि और दायित्व दिया। वह श्री ज्योतिनाथन जैसे अन्ये प्रार्थना दल अगुवों के साथ स्थानीय माबिलाईज़ेशन सेवा में सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने उत्तर भारत में ऑपरेशन मोबिलाइजेशन के साथ काम किया जिसने उनके बुलाहट को दृढ़ किया और मिशन के लिए उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाया। वे सेरामपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध साउथ इंडिया बाइबिलिकल सेमिनरी में शामिल हुए और 1991 में धर्मशास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने उपदेश, प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और मिशन के प्रति गहरे जुनून में संसाधनपूर्ण कौशल विकसित किए। तत्कालीन मोबिलाइजेशन सचिव रेव्ह. जी सुब्बाराम रॉबर्ट ने उन्हें एफएमपीबी में मिशनरी के रूप में शामिल होने के लिए प्रेरित किया और

परमेश्वर के आह्वान का पालन करते हुए, वे 1991 में एक क्रॉस–कल्चरल मिशनरी के रूप में शामिल हुए। उनकी मिशनरी यात्रा गुजरात में एक संक्षिप्त कार्यकाल के साथ शुरू हुई तथा बाद में संगठनात्मक आवश्यकता के कारण उन्हें कर्नाटक में चर्च – मिशन मोबिलाइजेशन सेवकाई में रखा गया। 2004 में चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया के रूप में उनका पुरोहिताभिषेक हुआ।

उनकी पत्नी अर्पुथम सेल्वी, तूतीकोरिन के हमारे वरिष्ठ मिशनरियों (दिवंगत) श्री एबेन अजारिया (1975–1987) और श्रीमती ज्ञानम अज़ारिया (197–1999) की चौथी बेटी हैं, जिन्होंने पोस्ट मास्टर और शिक्षक के रूप में अपनी नौकरियों से इस्तीफा दे दिया और अपने परिवार के साथ बस्ती और गोंडा उत्तर प्रदेश में मिशनरी के रूप में सेवा करने चले गए और बाद में बेथेल बाइबिल संस्थान में प्रशिक्षण के बाद दिल्ली और पंजाब में नियुक्त हुए। उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र के समन्वयक के रूप में उन्होंने जम्मू सहित कई नए मिशन क्षेत्रों का बीड़ा उठाया, सर्वेक्षण किया और उन्हें मिशन कार्यों के लिए खोला। उनका पालन–पोषण मिशनरी परिवार में हुआ और उन्हें FMPB लोकाचार के साथ मिशन क्षेत्रों के संदर्भ में तैयार किया गया। वह अपने माता–पिता के ईश्वरीय जीवन और सेवकाई को देखकर अत्यधिक प्रेरित और उत्साहित थीं, उन्होंने अपना जीवन परमेश्वर की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। बाद में उन्होंने सेरामपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध साउथ इंडिया बाइबिलिकल सेमिनरी में प्रवेश लिया और 1994 में धर्मशास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

यीशु के प्रति समान दृष्टिकोण, समर्पण और जुनून को साझा करते हुए, उन्होंने 22 मई 1995 को विवाह किया और उनकी एक बेटी है, जिसका नाम लेमुएला साची है, जो वर्तमान में क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी (बीओटी–चतुर्थ वर्ष) की पढ़ाई कर रही है।

कर्नाटक में चर्च – मिशन मोबिलाइजेशन सेवा में एक संपन्न कैरियर के बाद, उन्होंने पुणे के यूनियन बाइबिल सेमिनरी में एफएमपीबी द्वारा प्रायोजित उच्च अध्ययन के लिए अपनी खोज जारी रखी और 2010 में देवत्व में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और उसके बाद उन्होंने देवत्व में स्नाकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद, उन्हें हमारे मुख्यालय में सेवा करने के लिए बुलाया गया। पिछले 33 वर्षों में उनकी सेवा में प्रभु ने उन्हें संगठन में विभिन्न नेतृत्व भूमिकाओं के लिए सम्मानित किया जैसे कि महासचिव के निजी सचिव, प्रशासनिक सचिव, मुख्यालय के सचिव, चर्च मिशन संबंध भागीदारी, प्रोफेशनल्स फोरम नेशनल नेटवर्क और दक्षिण भारत के डिवीजनल सचिव। उन्होंने ईश्वर की महिमा के लिए ईमानदारी, विनम्रता और उत्कृष्टता के साथ ईश्वर प्रदत्त जिम्मेदारियों को ईमानदारी से पूरा किया। प्रभु ने उन्हें अपने सभी समृद्ध अनुभवों के माध्यम से कई लोगों के लिए आशीर्वाद के रूप में चुना, तैयार, सुसज्जित, सशक्त और उपयोग किया है।

"एफएमपीबी के महासचिव के रूप में आपकी नई भूमिका के लिए बधाई! ईश्वर की बुद्धि, शक्ति और मार्गदर्शन आपके साथ रहे, क्योंकि आप इस संगठन के माध्यम से प्रभु की सेवा और नेतृत्व करेंगे।

– मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल परिवार

सम्मेलन 2025 के लिए परमेश्वर को धन्यवाद!

फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड [FMPB] का राष्ट्रीय योजना सम्मेलन 7 से 9 फरवरी 2025 तक चेन्नई के गुरुकुल थियोलॉजिकल सेमिनरी ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। सम्मेलन का विषय था'' 1,000 मिशनरियों को जुटाना, प्रार्थना समूहों को बढ़ाना और मिशन क्षेत्रों को बढ़ाना।'' इस कार्यक्रम में पूरे देश से पूर्णकालिक मिशनरियों, मानद कर्मचारियों, प्रार्थना समूह के सदस्यों और अगुवों सहित लगभग 312 आमंत्रितों ने भाग लिया।

सम्मेलन पूर्व उपवास प्रार्थना

योजना सम्मेलन से पहले, 7 फरवरी, 2025 को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक ग्यारह घंटे का उपवास प्रार्थना सत्र आयोजित किया गया था। लगभग 150 लोग सेवकाई, राष्ट्र और सम्मेलन पर परमेश्वर की आशीषों से संबंधित विभिन्न विषयों के लिए प्रार्थना करने को एकत्र हुए थे। आईईएम के एक सेवानिवृत्त मिशनरी रेव्ह. जेयापौल सिथर ने परमेश्वर का वचन को साझा किया। सम्मेलन के दौरान, महासचिव ने अपनी सेवकाई से सम्बन्धित प्रतिवेदन प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने अपने चार साल के सेवा यात्रा के दौरान परमेश्वर की विश्वासयोग्यता पर प्रकाश डाला। कोषाध्यक्ष ने वित्त वर्ष 2025–2026 के लिए स्वीकृत बजट प्रस्तुत किया, जिसमें 5.88% से 7.5% तक की वृद्धि दर पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, FMPB के विभागीय और क्षेत्रीय सचिवों ने प्रार्थना विषयों को साझा किया, जिसमें कई चुनौतियों और विरोध के बावजूद मिशन क्षेत्रों में ईश्वर के अद्भुत कार्यों की गवाही दी गई।

पहला दिन: 8 फरवरी, 2025

सम्मेलन की शुरुआत चेन्नई के अवैतनिक मोबिलाइजेशन क्षेत्रीय सचिव श्री इमैनुएल के नेतृत्व में हमारी युवा टीम और मिशनरी बच्चों द्वारा आयोजित एक उद्घाटन सत्र से हुई। उन्होंने अंग्रेजी, हिंदी और तमिल में जीवंत गीतों के साथ सभा को महिमान्वित किया।

एफएमपीबी के अध्यक्ष श्री जॉन सैमुअल ने सम्मेलन की अध्यक्षता की और मुख्य भाषण दिया। एमिशनोलॉजिस्ट और वर्ल्ड विज़न इंटरनेशनल के पूर्व निदेशक डॉ. जेयाकुमार क्रिश्चियन, ने परमेश्वर के वचन को बाँटा, जिसमें ''परमेश्वर के दर्द को साझा करना'' और ''परमेश्वर के साथ एक उत्सुक अंतरंगता का पोषण करना'' विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस सत्र में मालतो, संथाल और डुंगरा भील लोगों के समूहों के वीडियो वृत्तचित्रों के साथ–साथ मिशन की अद्यतन जानकारी भी शामिल थी।
मुख्य अतिथियों में शामिल थे:

- श्री सिल्वेस्टर राजशेखरन, एफएमपीबी –यू.एस. के अध्यक्ष
- श्री सिजू थॉमस, एडीएफ के राष्ट्रीय निदेशक
- श्री विल्फ्रेड देविदार

इन लोगों ने मिशनरियों को उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों के आधार पर प्रोत्साहित और प्रेरित किया।
इसके बाद, डिवीजनल प्रमुखों ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसने उपस्थित लोगों को परमेश्वर के अद्भुत कार्यों के लिए उसकी महिमा करने के लिए प्रेरित किया गया। फिर प्रतिभागियों को एक विचार–मंथन सत्र के लिए दस समूहों में विभाजित किया गया, जिसमें मिशन की रणनीति और विकास से संबंधित दस विशिष्ट प्रश्नों पर चर्चा की गई।

दूसरा दिन: 9 फरवरी, 2025

सम्मेलन का दूसरा दिन रेव्ह. इसहाक राजा के नेतृत्व में पवित्र भोज सेवा के साथ आरम्भ हुआ।
मिशनरी, श्री कृष्णकुमार ने जो सुसमाचार के कारण 32 दिनों तक कारावास सहन किया अपनी सामर्थी गवाही साझा की।
तत्पश्चात् सभी दस समूहों के अगुवों ने अपने समूह के चर्चा के आधार पर अपनी अंतर्दृष्टि और अपेक्षाएँ प्रस्तुत कीं। प्रश्नोत्तर सत्र ने एफएमपीबी मंत्रालय के लिए प्रत्येक प्रतिभागी की गहरी प्रतिबद्धता और चिंता को प्रदर्शित किया।
महासचिव, रेव्ह. जॉन बर्लिन ने वर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला, तथा प्रतिभागियों को अपने दृष्टिकोण को परिष्कृत करने तथा सम्मेलन की मूल विषय के साथ अपने प्रयासों को संरेखित करने के लिए प्रोत्साहित किया।
सर्मपण की प्रार्थना का नेतृत्व एफएमपीबी के उपाध्यक्ष श्री साम पोनियाह ने किया। सम्मेलन का समापन एफएमपीबी के अध्यक्ष श्री जॉन सैमुअल के अंतिम संबोधन के साथ हुआ, जिसका शीर्षक था ''एफएमपीबी: ईश्वर का आंदोलन'', जिसने सभी को मिशन के अद्वितीय आह्वान और उद्देश्य की याद दिलाई गई।
कार्यक्रम का समापन एफएमपीबी के महासचिव रेव्ह. जॉन बर्लिन के धन्यवाद प्रस्ताव, प्रार्थना और आशीर्वाद के साथ हुआ।

कृतज्ञता और स्वीकृति

हम सभी प्रार्थना समूह के अगुवों, मुख्यालय के अगुवों और स्वयंसेवकों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिन्होंने राष्ट्रीय योजना सम्मेलन 2025 को एक आशीष का कारण बनाने के लिए अथक परिश्रम किया।
परमेश्वर की स्तुति हो!

— **रेव्ह डॉ. जे. जे. हैरिस,**
सचिव– मुख्यालय, एफएमपीबी

आज्ञाकारिता की सुंदरता:

महिलाओं के लिए परमेश्वर की योजना को अपनाना

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस: महिलाओं की उपलब्धियों और जीत का वैश्विक उत्सव है, जिसे हर वर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है। इस दिन प्रसारित होने वाले कार्यक्रम महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करते हैं और अगली पीढ़ी को सफलता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किश्य जात है। हालाँकि, जहाँ महिलाएँ बाधाओं को तोड़ना जारी रखती हैं, वहीं कई महिलाएँ अभी भी दूसरों से आत्म–अपमान और अपमान का सामना करती हैं।

बाइबल एक उल्लेखनीय दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिसमें आधुनिक दुनियाँ में हमारे लिए अनुकरणीय आदर्श के रूप में साधारण महिलाओं को उजागर किया गया है। जब संत पतरस इन महिलाओं की "अमिट सुंदरता" के बारे में बात करता है, तो वह हमें याद दिलाता है कि यह सुंदरता अतीत की पवित्र महिलाओं के तरीके में पाई जाती है – जिन्होंने अपनी आशा ईश्वर पर रखी – खुद को सजाया। उन्होंने ऐसा अपने पतियों के अधीन रहकर किया, जैसा कि 1 पतरस 3:4–5 में वर्णित है।

उन महिलाओं के लिए जो आत्म–सम्मान की खातिर बाहरी श्रृंगार पर ध्यान केंद्रित करती हैं, बाइबल एक शाश्वत सौंदर्य युक्ति प्रदान करती है: आज्ञाकारिता। परमेश्वर जिस सुंदरता को महत्व देता है, उसे धन, सांसारिक संपत्ति या मानवीय प्रयासों से नहीं खरीदा जा सकता। प्रभु के साथ बिताए गए हमारे समय के माध्यम से ही वह हमें यह आंतरिक श्रृंगार प्रदान करता है। पत्रों में, मानवीय संबंधों के संदर्भ में आज्ञाकारिता और अधीनता का अक्सर एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जाता है। आज्ञाकारिता एक ऐसा कार्य है जिसे हम मनुष्यों के सामने करते हैं, जबकि अधीनता प्रभु के साथ हमारे भावनात्मक संबंध के माध्यम से प्रदर्शित होने वाला एक गुण है। प्रभु के साथ हमारा संबंध, और उनके वचन द्वारा लाए गए परिवर्तन, हमारी आज्ञाकारिता और अधीनता को प्रकट करते हैं।

परमेश्वर ने अपना इकलौता पुत्र, यीशु मसीह को संसार में भेजा ताकि वह मानवता के साथ उस रिश्ते को बहाल कर सके जो अदन की वाटिका में खो गया था। जैसा कि फिलिप्पियों 2:7–8 में कहा गया है, "वरन् अपने आप को ऐसा शून्य कर दिया, और दास का स्वरूप धारण किया, और मनुष्य की समानता में हो गया। और मनुष्य के रूप में प्रगट होकर अपने आप को दीन किया, और यहाँ तक आज्ञाकारी रहा कि मृत्यु हाँ, क्रूस की मृत्यु भी सह ली।" अगर यीशु अपने पिता के प्रति आज्ञाकारी था, तो हमें आज्ञाकारी और विनम्र होने के लिए कितना अधिक प्रयास करना चाहिए?

पूरे सुसमाचार में हम देखते हैं कि यीशु ने वही किया जो पिता ने उसे करने और बोलने के लिए

कहा था। अपने दैनिक जीवन में परमेश्वर के साथ उसके घनिष्ठ संबंध ने उसे मृत्यु तक आज्ञाकारी बने रहने में सक्षम बनाया। इसलिए, आज्ञाकारिता और अधीनता सीखने के लिए यीशु हमारा अंतिम आदर्श है। इफिसियों 5:22 में, पौलुस पत्नियों को अपने पतियों के अधीन रहने का निर्देश देता है, परिवार को परमेश्वर द्वारा स्थापित एक संस्था के रूप में बताता है। इस संरचना में, बाइबल पति को परिवार के मुखिया के रूप में प्रस्तुत है। जबकि पति और पत्नी की समानता पर विभिन्न राय हैं, बाइबल हमें अपने पतियों के साथ एकता और अधीनता में रहना सिखाती है, जैसा कि हम इस दैवीय रूप से नियुक्त संस्था में मसीह के अधीन हैं।

पति और पत्नी दोनों को यीशु के लहू के द्वारा धर्मी बनाया और उन्हें पवित्र जीवन जीने के लिए बुलाया गया है, जिससे मसीही परिवार का निर्माण होता है। यह वातावरण बच्चों के प्रेम और परमेश्वर के साथ सम्बन्ध में वृद्धि को भी पोषित करता है। जब हम ईश्वर के प्रति समर्पण पर जोर देते हैं और अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन में सामंजस्य के लिए प्रयास करते हैं, तो हम अपने सार्वजनिक जीवन में मसीह को प्रतिबिंबित कर सकते हैं। ईश्वर की आज्ञाकारिता में कार्य करके, हम अपने आस–पास के लोगों के प्रति उनके प्रेम को प्रदर्शित करते हैं और दूसरों को विनाश से बचाने में मदद करते हैं। परमेश्वर हमें विभिन्न समुदायों और संस्कृतियों में लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग करता है।

क्योंकि हम पत्नी, माता, अगुवे, प्रेषक, समर्थक आदि, प्रिय की भूमिका निभाते हैं, तो आईए हम अपने जीवन को आज्ञाकारिता और समर्पण की सुन्दरता से सजाएँ, ताकि हम जो कुछ भी करते हैं उसमें परमेश्वर के प्रेम को प्रतिबिंबित कर सकें।

आप सबों को महिला दिवस की शुभकामनाएँ!

—श्रीमती मणिसेल्वी सारथी
(सचिव—महिला विंग)

FINANCE DEPARTMENT

FMPB Bank Account details for sending the offering through online transaction

A/c Name: **FRIENDS MISSIONARY PRAYER BAND**

ICICI - A/c No. 602701216912 - IFS Code ICIC0006027 - Branch: Anna Nagar

ICICI Bank UPI ID: fmpb01@icici

SBI - A/c No. 10402752621 - IFS Code SBIN0000987 - Branch: Ambattur

Indian Bank - A/c No. 406157474 - IFS Code IDIB000A599 - Branch: Vijayalakshmipuram, Ambattur

Kindly contact us: **fnance@fmpb.org, WhatsApp: 7904648270**

QR Code

facilities to send y our off ertory

Kindly avail the BARCODE facility also to send your offertory to the ministries of FMPB.

friends missionary prayer band
THE HEART CRY OF GOD IS
WHOM SHALL I SEND
THE VERY HEART BEAT OF THE LORD JESUS IS MISSION...!
DO YOU WISH TO FULFILL THE GREAT COMMISSION OF OUR LORD JESUS CHRIST?
WANTED
COME & JOIN THE FMPB FAMILY!
MISSIONARIES WANTED
WHAT HAVE YOU DONE FOR THE BILLIONS OF LOST SOULS?
WE ARE
IF YOU WISH TO BE A
► PIONEER MISSIONARY
► CHURCH PLANTER IN AN UNREACHED AREA
► BIBLE TRANSLATOR
► MEDICAL MISSIONARY
► MISSIONARY TEACHER
► CHILD EVANGELIST
► YOUTH MINISTER
► MEDIA MISSIONARY
HUMAN RESOURCES DEPARTMENT
29, HIGH SCHOOL ROAD, AMBATTUR, CHENNAI - 53.
email: hrd@fmpb.org / www.fmpb.co.in
044 2657 0404 / 26573353

पिपलाईदेवी कलीसिया का इतिहास

आह्वा फील्ड, सहायत्री क्षेत्र

रेव्ह. एल. मासीलामणि

सामान्यः

पिपलाईदेवी सुबीर पर्वत श्रृंखला में स्थित एक मध्यम आकार का गाँव है। गुजरात के डॉंग जिले के तालुका में पिपलाईदेवी गाँव में, गाँव की अधिकांश आबादी अनुसूचित जनजाति (एसटी) से है। पिपलाईदेवी गाँव में अनुसूचित जनजाति (एसटी) की कुल आबादी का 98.79% है। डांग के पिपलाईदेवी गाँव में अनुसूचित जाति (एससी) की कोई आबादी नहीं है।

पिपलाईदेवी के लोग सीमांत गतिविधि कृषक (मालिक या सह–मालिक) और कृषि मजदूर के रूप में कार्य करते हैं।

आरम्भः

8 मई 1981 को एल. मासीलामणि और उनकी पत्नी श्रीमती वनमथी और उनके पहले बेटे एम. जॉन किंग्सली (दो साल और आठ महीने) ने पीपलाईदेवी गाँव में किराए के घर में जाकर अहवा मिशन क्षेत्र खोला। 27 सतिम्बर 1981 को भाई जी. सामुएल और एस. अरुलराज उनके साथ जुड़ गए। परन्तु वे जल्द ही दूसरे मिशन क्षेत्रों और सेवकाई के लिए चले गए। सेवकाई के दौरान उन्हें पता चला कि पास के जुन्नेर गाँव में सुसमाचार की अच्छी ग्रहणशीलता है और वे 30 नवम्बर 1981 को जुन्नेर गाँव चले गए। जुन्नेर गाँव में विरोध के कारण, मिशनरी परिवार 30 अगस्त 1982 को जुन्नेर छोड़कर अहवा में रहने लगे। अहवा सीएनआई चर्च के पादरी रेव्ह. टी.वी. गायकवाड़ ने इस विरोध के समय में उनकी बहुत मदद की। जब डोलियांबर गाँव के मुखिया और मनु भाई ने मिशनरियों को अपने गाँव में आमंत्रित किया, तो मिशनरी 12 मार्च 1983 को डोलियांबर गाँव में रहने चले गए। डोलियांबर गाँव आस–पास के गाँवों में सुसमाचार सुनाने और उन लोगों के लिए एक रणनीतिक स्थान बन गया, जो ईश्वर के चुने हुए बर्तनों के माध्यम से मसीह को जानते थे, ताकि वे अपने गाँवों में सेवकाई को विकसित करने के लिए एफएमपीबी मिशनरी से संपर्क कर सकें।

1984 में मिशनरी परिवार को खरीदारी या किसी अन्य काम के लिए अपने नवजात जुड़वाँ बच्चों को लेकर लगभग आठ किलोमीटर पैदल चलकर अहवा गाँव में जाना पड़ता था। सन् 1983 से 1987 तक इस गाँव में मिशनरियों का कोई संपर्क नहीं था। परन्तु 1987 में परमेश्वर ने अद्भूत तरीके से चंगाई देकर कुछ परिवारों को डोलियाम्बर गाँव में पहुँचाया। वास्तव में पिपलईदेवी के लिए यह परमेश्वर का समय था कि 1987 से अपना राज्य स्थापित करे।

विरोध:

पिपलईदेवी में काफी विरोध हुआ और सेवकाई का काम नहीं हो सका। 1990 में गाँव के मुखिया रामू भाई अपने पेट दर्द से निजात पाने और शराब की लत से मुक्ति पाने के लिए मसीही धर्म अपनाने के लिए आया। मसीही मण्डली के लिए यह एक बड़ी सफलता थी, क्योंकि उन्हें गाँव में विरोध से मुक्ति मिली। इसने मसीही धर्म को मान्यता भी दी और 1990 में बहुत से लोग ईसाई बन गए। 1990 में 30 लोगों ने बपतिस्मा लिया। साप्ताहिक सभा गाँव के मुखिया के घर पर तब तक के लिए स्थानांतरित कर दी गई, जब तक कि गाँव के मुखिया के घर के सामने एक कच्चा (अस्थायी) चर्च नहीं बन गया।

पिपलईदेवी कलीसिया के इतिहास में चमत्कार

दौलत भाई झुंझार भाई और शुक्री बेन दौलत भाई:

मैं शराब पीता था और लड़ाई–झगड़े में उलझा रहता था। अचानक हमारे जीवन में एक बड़ी विपत्ति आई। मेरी पत्नी को सीने में दर्द होने लगा और वह इतनी कमजोर हो गई कि वह कोई काम नहीं कर पाती थी। मैंने ओझाओं के जरिए बहुत पूजा–पाठ करवाया और पूजा–पाठ के लिए बहुत–सी चीजें चढ़ाने में बहुत खर्च किया। परन्तु मेरी पत्नी की सेहत में कोई फर्क नहीं पड़ा। इसलिए, हम प्रार्थना के लिए कामत चर्च गए, वहाँ मिशनरियों ने मेरी पत्नी के लिए प्रार्थना की। मेरी पत्नी तुरंत ही चंगी हो गई। फिर हमने यीशु मसीह का अनुसरण करना आरम्भ किया। फिर हम डोलियाम्बर चर्च में जाते लगे क्योंकि हमारे गाँव में कोई चर्च नहीं है।

शेंतु भाई रेशमा भाई एवंनैजी बेन शेंतु:

मेरी पत्नी दुष्टात्माओं के द्वारा पीड़ित थी। भगत पूजा और प्रसाद पर बहुत पैसा खर्च किया, और मेरी पत्नी ने हर्बल दवाइयों को भी इस्तेमाल की परन्तु उसकी हालत और खराब होती गई। खर्च करने के लिए और पैसे नहीं होने पर, हमने चंगाई के लिए डोलियाम्बर चर्च जाने का फैसला किया। मेरी पत्नी के लिए प्रार्थना करने के बाद, उसकी बीमारियाँ आठ दिनों के भीतर दूर हो गईं, और वह पूरी तरह से ठीक हो गई। तब हम से डोलियाम्बर चर्च में जा रहे हैं।

शुक्रिया भाई की पत्नी केंगू बेन बताती हैं:

1989 में अपने पहले बच्चे के जन्म के बाद, वह बहुत कमजोर हो गई और चल नहीं पाती थी, जमीन पर रेंगती थी। उसका पति उसे बैलगाड़ी से गरखड़ी ले गया, जहाँ एक चर्च था। उन्होंने ओझाओं के साथ पूजा–पाठ की कोशिश की, परन्तु उसे कोई राहत नहीं मिली। कुछ लोगों ने उसे उपचार के लिए गरखड़ी चर्च जाने की सलाह दी। गोपीचंद भाई ने उसके लिए प्रार्थना की और वह अपने पति की बहन के घर में एक महीने से अधिक समय तक प्रार्थना करते रही। चंगाई प्राप्त करने के बाद, वे टाकलीपाड़ा चर्च में जाने लगे।

गोमा भाई गोंड्या भाई जाधव:

मैं त्वचा रोग से पीड़ित था और मैंने ओझाओं और हर्बल दवाओं का इस्तेमाल किया परन्तु कुछ भी काम नहीं आया। गाँव के मुखिया, जो एक ईसाई

थे, ने मुझे चर्च जाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रचारक धनसुख भाई ने मेरे लिए प्रार्थना की और सरकारी अस्पताल से दवाइयाँ भी मंगवाईं। धीरे–धीरे मेरी सेहत में सुधार हुआ और कुष्ठ रोग के कारण मेरे शरीर पर पड़े सफेद दाग गायब हो गए। मैं ठीक हो गया और 1990 में मैंने बपतिस्मा ले लिया।

अमरिया भाई राजू भाई वध्या:

मैं शराब और मानसिक समस्याओं से जूझ रहा था और यहाँ तक कि आत्महत्या के बारे में भी सोच रहा था। मैं एक परेशान जीवन जी रहा था, एक बार तो मैंने अपने घर में आग भी लगा दी थी और साड़ी पहनकर घूमता था। मेरे छोटे भाई, सोनू ने मुझे चंगाई के लिए चर्च में आमंत्रित किया। मैं टाकलीपाड़ा चर्च गया, जहाँ सुसमाचार प्रचारक जीवाल्या भाई ने मेरे लिए प्रार्थना की और मैंने परमेश्वर का वचन सुना। समय के साथ, मैंने शराब पीना छोड़ दिया और अपनी शारीरिक और मानसिक समस्याओं से ठीक हो गया, जिसमें मेरी दृष्टि संबंधी समस्याएँ भी शामिल थीं। इसमें एक साल लग गया, परन्तु मैं पूरी तरह से ठीक हो गया। मैं पिछले 22 वर्षों से विश्वास में जी रहा हूँ।

फिर से 1988 और 1989 में परमेश्वर ने पिपलईदेवी गाँव के कई लोगों को आस–पास के चर्चों में जाकर चंगाई प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। FMPB के प्रचारकों और मिशनरियों ने इन चर्चों में इन साधकों के लिए प्रार्थना की और उन्हें मसीह को खोजने में मदद की। कुछ गवाहियों के बाद, पिपलईदेवी गाँव में मण्डली की शुरुआत हुई।

कलीसिया का विकास:

गाँव के मुखिया का विश्वास में आना और विश्वासियों का अपने बीमार रिश्तेदारों को अपना विश्वास बताना चर्च की वृद्धि का मुख्य कारण था। सन् 1990 में नया जीवन सेवा मंडल ने अपना मेडिकल क्लिनिक डोलियांबर से पिपलईदेवी में स्थानांतरित कर दिया। सीएनआई के डीन रेव्ह. जीवल्य भाई परिवार इस क्लिनिक में काम करते थे। वे क्लिनिक में आने वाले कई लोगों को सुसमाचार सुनाते थे और बीमार लोगों के लिए प्रार्थना करते थे। 1996 तक पिपलईदेवी गाँव में करीब 90 परिवार विश्वास में आ गए।

चर्च निर्माण एवं समर्पण

सन् 1990 में गाँव के मुखिया रामू भाई अपने घर के सामने एक कच्चा चर्च बनवाने के लिए आगे आए। सोनू भाई राजू भाई कच्चे चर्च के निर्माण के बारे में बताते हैं: फिर विश्वासियों की संख्या बढ़ गई। सभी ने कच्चा चर्च बनाने का फैसला किया। हर विश्वासी ने अपने घर से एक लकड़ी का दान दिया। हम सभी ने चर्च के लिए करवी (दीवार के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक तरह की मोटी घास) ले आए। फिर हमने उस चर्च का निर्माण किया। 26 सितम्बर 1990 को, आहवा सीएनआई पादरी रेव्ह. टीवी गायकवाड़ ने कच्चे चर्च का लोकार्पण किया। दिसंबर 2000 में **दूसरा चर्च** का निर्माण किया गया और उस समय रेव्ह. डी. अब्राहम फील्ड मिशनरी थे। यह एक अर्ध–पक्का चर्च था। मदुरै के पादरी डुडले थांगिया ने उस चर्च का समर्पण किया। इस चर्च का निर्माण एक विद्यालय के शिक्षक श्री सीताराम भाई चमार भाई द्वारा दान की गई भूमि में किया गया। 5 जनवरी 2008 को तीसरे चर्च (वर्तमान चर्च) का निर्माण कार्य शुरू हुआ। इस नए चर्च का समर्पण 12–10–2010 को किया गया। चर्च के समर्पण के लिए आरएफएस रेव्ह. एस. अरुलराज आए थे। उनके साथ प्रार्थना समूह के कुछ सदस्य भी उपस्थित थे। जमीन सीताराम

भाई ने दान की थी। चर्च निर्माण के दौरान कोई विरोध नहीं हुआ। पूरा श्रम विश्वासियों ने स्वतंत्र रूप से दिया।

चर्च की गतिविधियाँ एवं महत्वपूर्ण जानकारी

पोकुदमल गाँव से चार परिवार आते थे। भील और कुकना जनसमूह के लोग इस चर्च में शामिल हैं। अधिकांश लोग भील जनजाति से हैं। 250 लोग आराधना सेवा में भाग लेते हैं। 60 प्रतिशत लोग गन्ने के खेतों में काम करने जाते हैं। सीताराम भाई आराधना का संचालन करते हैं। मोतीराम भाई भी आराधना चलोने में सहायता करते हैं। सीताराम भाई या उनके बेटे मनोज भाई सभाओं का संचालन में मदद करते हैं। आराधना सेवाएँ, गृह प्रार्थना सभाएँ, शुक्रवार की प्रार्थना सभाएँ और बुधवार की रात्रि सभाएँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। युवा शिविर साल में एक या दो बार आयोजित किए जाते हैं। महिलाओं की सभाएँ कभी–कभी की जाती हैं। जागृति एवं विशेष सभाएँ साल में चार बार आयोजित की जाती हैं। गैर–ईसाइयों ने अपने धार्मिक त्योहारों में योगदान की माँग करते हैं परन्तु इनमें ईसाई योगदान नहीं करते। उपवास प्रार्थना दो महीने में एक बार आयोजित की जाती है। बीमार लोगों से मुलाकात की जाती है और उनके लिए प्रार्थना की जाती है।

प्रार्थना विषय

- गाँव के सम्पूर्ण लोगों को मसीह के लिए जीता जाए।
- विश्वासीगण विश्वास में मजबूत हों और बिना किसी बाधा और पीछे हटे विश्वास में बने रहें।
- रविवार स्कूल का संचालन नियमित रूप से किया जा सके।
- हर साल सितंबर से अप्रैल तक काम के लिए लोगों का पलायन होता है वह रुकनक पाए।
- जब वे बीमार पड़ें तो वे मजबूत बने रहें और विश्वास से पीछे न हटें।

महासचिव के साथ एक बैठक

सी.एन.आई.

एफएमपीबी के अध्यक्ष श्री जॉन सैमुअल ने सी.एन.आई. (चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया) के महासचिव रेव्ह. डॉ. अजीत कुमार के साथ सी.एन.आई. भवन, नई दिल्ली में औपचारिक बैठक की। नई दिल्ली में आयोजित बैठक में उन्होंने उत्तर भारत के सभी धर्मप्रांतों में एफ.एम.पी.बी. और सी.एन.आई. के बीच मिशन के कार्यों में साझेदारी के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस साझेदारी से एफ.एम.पी.बी. को मदद मिलेगी। सीएनआई के साथ मिलकर काम करके उत्तर भारत के सभी राज्यों तक पहुँचा जा सकेगा, जिन क्षेत्रों में अभी तक कोई पहुँच नहीं है। इससे सी.एन.आई. को अपने मिशनरी विजन का विस्तार करने में भी मदद मिलेगी। सी.एन.आई. का अधिकार क्षेत्र दक्षिण के पाँच राज्यों को छोड़कर भारत के सभी राज्यों को कवर करता है।

मार्च
1
शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री टिंगगेउ जेम, श्री दलजाकम सुआंतक
श्रीमती सुरभि बीरो अशोक नायक
श्रीमती एल्लाह पामेइ जेम, श्री बिनोट समप्रामेरी
श्री लुंकिम थोंगकम खोंगसाई, श्री. डितुंगबोऊ के.
श्री जयबीर सिंह, श्री लेत्खोलुन बैटे
श्रीमती टिंगनेई नेंग सिंगसन, श्री. डिहे एस.
श्री ओमप्रकाश गुप्ता, श्री थंगवानसांग जी.
श्रीमती मार्गरेट सिंह दास, श्रीमती होइतिन माते लाल
श्री निंग्थौजम एलन सिंह
श्री जामखोंगम हाओकिप एल.

जम्मू

नौशेराः

सियानलुन्थांग जू एवं लिंग्नेइहोई

स्तुतिः मौजूदा विरोध के बावजूद, लोग सुसमाचार के लिए उत्सुकता दिखाते हैं। रूबी और ममता ने क्रमशः 10 साल और 6 साल तक बच्चे के उपहार के लिए प्रार्थना की, उनकी प्रार्थनाएँ सुनी गईं। सौरव को दुष्टात्मा के कब्जे से छुटकारा मिली। पिछले 15 वर्षों से तंत्रिका विकार से पीड़ित पोली देवी को चमत्कारिक चंगाई मिला।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि किडनी की बीमारी से पीड़ित पैसगीराम और 10 साल से अपच की समस्या से पीड़ित सम्राज को उपचार मिले। शराब की लत के कारण लगातार प्रिया के साथ दुर्व्यवहार करने वाले उसके के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें कि वह अपनी बुरी आदतों को छोड़ दे। संजय को उसके परिवार के साथ फिर से मिल जाने के लिए प्रार्थना करें। चर्च की गतिविधियों में शामिल एक जिम्मेदार व्यक्ति आरती के लिए प्राथ्रना करें जो अब अपने समुदाय के विरोध के कारण चर्च में आने से हिचकिचा रही है। प्रार्थना करें कि प्रभु उसे शक्ति प्रदान करें।

हिमाचल

रामपुरः

दोउजापाओ गुइटे एवं फ्लोरेंस लैमवुंग

स्तुतिः हमारे मिशनरियों द्वारा कलीसियाई आराधना के लिए जाते समय अनुभव की गई चमत्कारी सुरक्षा के लिए परमेश्वर को धन्यवद दें जब उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया और एक बड़े गड्ढे में गिर गया और वे मामूली चोटों के साथ बच गए। हमारे स्थानीय प्रचारक को परमेश्वर ने सुरक्षित रखा जब वह पहाड़ी से नीचे उत्तर रहा था और उसकी बाइक एक चट्टान से टकरा गई, परमेश्वर ने अपने दया से उनके जीवन की रक्षा की। चित्रा देवी ने सांस लेने में तकलीफ झेल रहे अपने पोता के लिए विश्वास के साथ प्रार्थना की और परमेश्वर ने उनकी प्रार्थनाओं को सुनकर पोते को चंगाई दी और नया जीवन प्रदान किया।

प्रार्थनाः सतीश के हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना करें जो चर्च में जाने के कारण अपनी माँ का कड़ा विरोध करता है। मीनाराम और सूरज के पश्चाताप के लिए जो अपने विश्वास से पीछे हट गए हैं और विश्वासियों के लिए एक बड़ी बाधा साबित हो रहे हैं। प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासियों के बच्चे अपनी अंतिम बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकें। तियोथी गॉव में सुसमाचार के प्रचार के लिए द्वार खुले।

मार्च
2
रविवार

अन्नी:

जिन सॉम एवं चिंग होईहकिम

स्तुति: कई लोगों को सुसमाचार सुनाया गई और उनके बीच आध्यात्मिक साहित्यों का वितरण किया गया। कोबिन, जेसनवंत, प्रेमा और थरम गाँव के नए संपर्कों के लिए प्रभ्सु की स्तुति करें जो सुसमाचार को आशीष का कारण मानते हैं। शराब के आदी मनीष ने अपने परिवार की प्रार्थनाओं के जवाब में इस बुरी आदत को छोड़ दिया और शांति से रह रहा है। लंबे समय से बीमारी से पीड़ित पंगुदेवी को हमारे विश्वासी की प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली।

प्रार्थना: जेश्वंथ को शारीरिक खुजली से और कोबिन को शैतानी बंधन पीड़ित से मुक्ति छुटकारा मिले। प्रेमा और हमारे विश्वासियों के बच्चे सुषमा, लक्ष्मी चंद्र और रजनीश्री को उपयुक्त जीवन प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि नये गाँवों में आराधना सेवाएं शुरू हो सके।

रोहरूः

जॉनसन शंकर एवं जेबारानी

स्ततिः दाईयुनी और सवुरा क्षेत्रों से एक–एक परिवार विश्वास में आ गया है। भगवान के लिए किला थे, जिनके नैगुराम की घर में उनकी अनुपस्थिति में चोर घुस गए परन्तु परमेश्वर उनके घर का सुरक्षा बना और कुछ भी चोरी नहीं हुआ। परमेश्वर ने कार्यस्थल पर बिजली के झटके से झुलसे कुशल की रक्षा की और बिना किसी बड़ी चोट के बच गया।

प्रार्थना: शैतान के बंधन में फंसी आकांक्षा, मुस्कान और कल्पना के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें जो खुद को नुकसान पहुंचा रही हैं। नैरूबाई को पेट की अत्यधिक वृद्धि से चंगाई मिले, जो इसके कारण दर्द से पीड़ित है। श्याम लाल की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिसका पैर सर्जरी के दौरान काट दिया गया था, अब चलने में कठिनाई हो रही है। प्रार्थना करें कि उसे जल्द ही कृत्रिम अंग मिले जाए और वह उसके साथ अभ्यास कर सके।

रिकोंगपेओः

ए. शंकर एवं रूथ मैरी

स्तुति: पंजचौंद को नब्ज़ दर कम होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था, विश्वासियों की प्रार्थना द्वारा के परमेश्वर ने उसे चंगाई दी, और उसे अस्पताल से सुरक्षित रूप से छुट्टी दे दी गई। नीलम और पुजलू की मसीही शादी समारोह परमेश्वर की महिमा के लिए आयोजित की गई थी। दुर्घटना के बाद धीकाराम के धीरे–धीरे ठीक हो रहा है। लगभग 200 लोगों को सुसमाचार का प्रचार किया गया और उनके बीच कई आध्यात्मिक ग्रंथ वितरित किए गए।

प्रार्थना: पूनम, रूपा, सीमा, आशा, अश्विन, अवंतिका, काकमंग, मरीसमैन, राजी और अजय के लिए प्रार्थना करें जो नियमित रूप से कलीसिया की आराधना में भाग लेते हैं, परन्तु अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने में अनिच्छा दिखाते हैं, ताकि वे जल्द ही यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में अनुभव कर सकें। सुनीता के घर में एक बछड़ा अंधा पैदा पैदा होने के कारण गाँव वालों ने घोषणा की कि उसका घर अभिशाप के अधीन है। सुनीता को सही साबित करने में परमेश्वर की मदद के लिए प्रार्थना करें ताकि उसके गाँव में आशीष हो।

मार्च
3
सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जॉन सैमुएल ए.
श्री जीवन रंजन महापात्रा
श्रीमती प्रस्तुता पती पाणि, श्री. थांग चिन लियान एल.
श्रीमती मर्सी एलिजाबेथ शिवशंकरन

नेरवा: इम्मानुएल जेबा एवं संगीता जेसिंथा

स्तुति: 5 स्थानों पर उपवास प्रार्थनाएँ आयोजित की गईं। ईश्वर की कृपा से बहुत से विश्वासियों ने प्रार्थना में भाग लिया।

प्रार्थना: विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे कलीसियाई सेवा में बिना चूके उपस्थित हों और परमेश्वर के वचन का पालन करें। हाल ही में उभरे कई नई आराधना समूहों के लिए प्रार्थना करें कि इसके कारण सेवकाई में कोई बाधा उत्पन्न न हो। प्रभु से प्रार्थना करें कि बंगाल और अड्डल गाँवों में आध्यात्मिक पुनरुत्थान हो। प्रभु से प्रार्थना करें कि हमारे मिशनरी परिवार को संतान की आशीष मिले।

पंजाब

जैतो: चितारंजन तांडी एवं तेजस्विता तांडी

स्तुति: काईदिक जनसमूह के बीच सुसमाचार के द्वार खुला औश्र वे सुसमाचार के प्रति रूचि ले रहे हैं। युवाओं के बीच एक प्रार्थना फेलोशिप शुरू की गई है जिसमें नशीली दवाओं की लत के बंधन में फंसे युवाओं के उद्धार के लिए प्रार्थना की जाती है। जसपाल सिंह चमत्कारिक रूप से ड्रग पेडलर से मसीह के एक उत्साही शिष्य बना। सुरेंदर सिंह एक नए स्थानीय प्रचारक के रूप में शामिल हुआ है।

प्रार्थना: पिछले 7 वर्षों से मानसिक अवसाद से पीड़ित अजय सिंह के लिए प्रार्थना करें जो विश्वास के द्वारा चंगाई प्राप्त करने के लिए चर्च में आने लगा है। कैंसर के खिलाफ अपनी लड़ाई हारने वाले मनदीप सिंह के परिवार के लिए दिव्य सांत्वना के लिए प्रार्थना करें। परमजीत सिंह और राजा सिंह को नशे की लत से छुटकारा मिले। सिंधार कौर के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीही विश्वास में बढ़ें और अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करें। अमृतसर क्षेत्र में शुरु की गई आउटरीच सेवा के फलदायी होने के लिए प्रार्थना करें।

मनसा: देबब्रत बिश्वास एवं मन्ना सिंह

स्तुति: उन लोगों के लिए प्रभु की स्तुति करें जिन्होंने हाल ही में चर्च में आना शुरू किया है। कुरुकनी और नाबा गाँवों में पहली बार सत्संग सभा आयोजित की गई जिसमें बहुत से लोगों ने भाग लिया और सुसमाचार सुना। महिला अगुवों और कलीसिया के प्राचीनों के लिए के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गईं।

प्रार्थना: सरका, नांगल और रथनगर गाँवों में सत्संग सभाओं का सुचारू रूप से संचालन हो। ईशा नगर, पजवाला और पुरजी क्षेत्रों में फिल्म सेवा का काम हो। प्रार्थना करें कि कई नए लोग हमारे सम्पर्क में आएँ और आत्मा विजेताओं का प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया जाए तथा कलीसिया के प्राचीन इस काम में उत्साहपूर्वक भाग लें। दस वर्षों से संतान सुख का अपेक्षा कर रहे अमरजीत सिंह के लिए प्रार्थना करें जो संतान की चाहत में कलीसिया में आने लगा है। प्रभु उनकी प्रार्थनाओं का उत्तर दे। प्रार्थना करें कि गणेश राम और सानसिंह परमेश्वर की ओर वापस फिरें।

मार्च
4
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जॉन बर्लिन एस.
श्री थिम्मेश एमपी .
श्री किशन्ता लीमा
श्री दिनेश मड़ैया
श्रीमती पंसुरी मोहलिन बिधान

अहमदगढ़ मंडी:

कृपा रक्षणा बर्रे एवं शकिना

स्तुतिः एक व्यक्ति ने मसीह में अपनी आस्था को स्वीकार किया और प्रभु को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। धुलमा, रोहित और मौदी गाँव में नई आराधना दल की शुरूआत की गई है। क्षय रोग से पीड़ित आशा अब अपनी प्रार्थनाओं के कारण अच्छी प्रगति के साथ ठीक हो रही है। रीना को परमेश्वर ने एक ऑटो रिक्शा दुर्घटनाग्रस्त में सुरक्षा प्रदान की और बच गई थी।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि जंडाल और दोस्तर गाँव में नई आराधना सेवाएँ शुरू की जाएँ। आगामी सार्वजनिक विश्वास की स्वीकारोक्ति कार्यक्रम तथा कलीसिया के प्राचीनों की प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए प्राथ्रना करें। कलीसिया का प्राचीन संथाली की सास की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो दुर्बलताओं से पीड़ित है। उसका बेटा आलोक को हर सुबह मिर्गी का दौरा पड़ता है उसकी चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

बठिंडा:

संजीब आनंद अएवं प्रस्तुतापती

स्तुतिः 4 गाँवों मंडी, बैरुबा, मंडी कलां और मौर मंडी में सत्संग कार्यक्रम आयोजित की गई थी। युवाओं के लिए आयोजित परामर्श और आध्यात्मिक शिविर भाग लेने वाले कई लोगों के लिए बहुत बड़ी आशीष का कारण रहा। राजा सिंह को किडनी की बीमारी से चंगाई मिली और अब वह कलीसिया की आराधना में भाग ले रहे हैं। फँसे मोनी सिंह को पापपूर्ण आदतों और नशे की लत से छुटकारा मिली। हमारे चर्च के एल्डर रानी कौर और सतवीर कौर के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जो विभिन्न चर्च सेवकाईयों में उत्सुकता से भाग ले रहे हैं।

प्रार्थनाः प्रभु से प्रार्थना करें कि वे मिशन क्षेत्र में सेवा के लिए समर्पित स्थानीय प्रचारकों और स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं को खड़ा करें। शराब की लत से ग्रस्त करण, इंद्रेश और कुलदीप के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। बैरुबा और पुचो में चल रहे चर्च निर्माण कार्य के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि मंडी गाँव में विकास कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके। मधुमेह से पीड़ित लवप्रीत और शैतानी ताकतों के बंधन में फंसे राजसिंगम को छुटकारा प्राप्त हो। बीमारी से पीड़ित हमारे मिशनरी के माता–पिता की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

मार्च
5
बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती थंगम्माल जेबाराज
श्री सुनील मैथ्यू के.
श्री रवि कुमार एस.
श्रीमती स्टेला डेविड पेरुमल
श्री शंभुनाथ नायक
श्री लुबिन मुर्मू

उत्तराखंड

बाजपुर: क्रिश्चियन प्रकाश एवं सुमित्रा बेन

स्तुति: एक वरिष्ठ पुजारी विनोद ने मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार कर लिया है। सोहानी, जो बुरे सपनों के कारण सो नहीं पाती थी, जब वह चर्च में आई और प्रार्थना की तो उसे पूर्ण चंगाई मिली। हमारे विश्वासी शिवराम को सरकार में तहसीलदार की नौकरी मिली। सुंदरी जो अक्सर बेहोश हो जाती और गिर जाती थी, लगातार प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली।

प्रार्थना: पेट के कैंसर से पीड़ित सयाना और रक्त कैंसर से पीड़ित सविता की चंगाई के लिए प्राथ्रना करें। लक्ष्मण की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो ह्रदय के चारों ओर पानी के जमाव से पीड़ित है और अपनी बीमारी के कारण काम करने में असमर्थ है। मानसिक बीमारी से पीड़ित प्रेम जोशी नामक एक झगड़ालू बुजुर्ग व्यक्ति, की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। उन लोगों के लिए प्राथ्रना करें जो विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए तैयार हैं, वे विश्वास में आगे बढ़ें और रास्ते में आने वाली हर रूकावटें को दूर हो।

किच्छा: बिभाबा पानी एवं बिथिका

स्तुति: एंड्रयू और अमन के परिवारों की सेवकाई में उत्सुकता से भागीदारी के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। निशा को प्रार्थना के द्वारा पक्षाघात से चंगाई मिली।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि सन्धिपुरा, पंढनगर, शक्तिपार्म और लालपुर गाँवों में सुसमाचार के लिए द्वार खुले। हमारे विश्वासी अपने गाँव में व्याप्त विरोध के बावजूद भी अपने मसीही धर्म के विश्वास में दृढ़ रहें। प्रार्थना करें कि प्रभु किच्छा मिशन क्षेत्र में आराधना सेवा आयोजित करने के लिए एक स्थान का प्रबन्ध करे। सुखविंदर के परिवार को संतान सुख प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासियों को अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए साधन और संसाधन उपलब्ध हों।

मलधनचौर: शिशुपाल एवं अनिता

स्तुति: शेखर सिंह और धरमपाल को शराब की लत से और बिट्टू, दीपा तथा अंजल को शैतानी बंधनों से मुक्ति मिली। परमेश्वर ने प्रसाद के परिवार को उसकी महिमा के लिए संतान की आशीष दी।

प्रार्थना: नारायणपुर और ज्योतिपुरा के उन ग्रामीणों के ह्रदय परिवर्तन लिए प्रार्थना करें जो लगातार हमारे अनुयायियों को बाधा पहुँचाते हैं। सुनीला और सर्वेसाई को दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिले। बिंदरसिंह और बलदेव को शराब की लत से छुटकारा मिले। कालिदास, कंदो, प्रसन्ना, पूजा, इंद्रपाल, मीनाशी, धर्मेंद्र और अनुराधा को सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास की अंगीकार के लिए हियाव मिले। अनुराधा और मीनाक्षी के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। हमारी मिशनरी अनीता को किडनी की बीमारी चंगाई मिले।

मार्च
6
गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जेम्स अरुलराज एम.

दिनेशपुरः

शिव कुमार एवं सुशीला मार्ग

स्तुतिः सुसमाचार के प्रचार के लिए चार गाँवों में खुला द्वार के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। कई दिनों से बीमार सीमा को प्रार्थनाओं के उत्तर में चंगाई मिली। पवन गीता की निरन्तर प्रार्थना के द्वारा उसके बच्चे का टेढ़ा पैर धीरे–धीरे ठीक हो रहा है ठीक से चलने लगा है। परमेश्वर की दया से हमारा विश्वासी सूरज अपना घर बनाने में सक्षम हुआ।

प्रार्थनाः दासपुरा गाँव के परमजीत को मिर्गी से, केड़ा गाँव के विशाल को फैटी लीवर से और कैंप 1 के आशीष को किडनी की बीमारी से पूरी चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। नीरज के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। कामपुर गाँव की कौर और केड़ा गाँव की सुविधा को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिले।

हरियाणा

बरवालाः

मिंटू कुटुम एवं सुभ्रा बाग

स्तुतिः परमेश्वर ने हमें तीन स्थानों पर सत्संग और चर्च एल्डर्स मीटिंग आयोजित करने में हमारी सहायता की। 17 वर्षीय युवक संजय नामक युवक को जो दुर्घटना का शिकार हुआ था, परमेश्वर ने बिना किसी फ्रैक्चर के बचा लिया। कयिपुर गाँव में आयोजित बाइबिल क्राड़ा और वार्षिक युवा शिविर में कई युवाओं ने भाग लिया और लाभान्वित हुए। अस्पताल में भर्ती होने और उपचार के बाद भी टीबी से पीड़ित सनियाँ गाँव की पूनम को प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली।

प्रार्थनाः अंगों और गर्दन में तंत्रिका विकार से पीड़ित नरेश को चंगाई मिले। हमारे चर्च में नए आए परी की आँखों में दृष्टि आने के लिए प्रार्थना करें। रक्तस्राव और किडनी की बीमारी से पीड़ित राजिधानी कॉलोनी की नीलम की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। गंभीर दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के कारण अस्पताल में भर्ती जींद गाँव के अनिल की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

रतियाः

कार्तिकेयन एवं जयंती

स्तुतिः पपली को अपनी निरंतर प्रार्थनाओं के कारण क्षय रोग से चंगाई मिली। मीराना गाँव के कलीसिया के विश्वासियों ने उनके चर्च की सालगिरह को हर्षोल्लासपूर्वक मनाया। रेखा को प्रार्थनाओं के कारण शैतानी बंधन से मुक्ति मिली। परमेश्वर ने सतपाल के घर के निर्माण की की जरूरतों को पूरा किया। महिलाओं की प्रार्थना सभा सुचारू रूप से चलने के लिए प्रार्थना करें।

प्रार्थनाः वरुणा को क्षय रोग से चंगाई मिले। रेखा, ज्योति और बबली के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें संतान सुख की प्राप्ति हो। 13 वर्षीय राजवीर सिंह जो अपनी उम्र के हिसाब से अभी भी बोलने में असमर्थ है, प्रार्थना करें कि वह बोल सके। अजय, सतनाम और पूजा को अपने जीवन के लिए एक प्रतिबद्ध वर मिले। पूरे शरीर में सूजन से पीड़ित पशिबा को परमेश्वर ने चंगाई दी।

मार्च
7
शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री गिल्बर्ट विलियम्स एस.
श्री सोलोमन ज्ञानाशेखर जे.
श्री थोंग खोलुन किपजेन, श्री जॉन अरुलराज
श्रीमती लिआनबियाकनेमी सिंह

तोशमः अजय बार्डे

स्तुतिः सत्संग कार्यक्रमों के माध्यम से 2 गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। परमेश्वर की अनुग्रह से बलवास गाँव में आराधना सेवा शुरू हो सकी। तोशाम गाँव के 7 युवाओं ने क्षेत्रीय बाइबिल परीक्षा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बलवास गाँव के कृष्णन की दुर्घटना से सुरक्षा के लिए प्रभु को धन्यवाद दें।

प्रार्थनाः लक्ष्मी के भाई को शराब की लत छुटकारा मिलने और पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो अपने परिवार के सदस्यों के साथ लगातार दुर्व्यवहार करता है। प्रार्थना करें कि जगदीश, प्रताप और बबली के परिवार नियमित रूप ससे कलीसियाई आराधना में भाग लें। लंबे समय तक प्रतीक्षा करने के बाद गर्भधारित नेहा के सुरक्षित के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। आगामी नियोजित जीसस फिल्म स्क्रीनिंग और सोल विनर्स कैंप का सफलतापूर्वक संचालन करने के लिए प्रार्थना करें।

राजस्थान

खाजूवाला (नया):
बी. कुमार एवं पेट्रीसिया

स्तुतिः 8 केडी और 4 एडीएम कॉलोनियों में सुसमाचार का प्रचार करने में परमेश्वर ने हमारी सहायता की। 8 केडी कॉलोनी में रहने वाले गुलविंदर सिंह के परिवार ने मसीही सभा के लिए अपना घर दिया। 5 पीएसटी कॉलोनी की माया देवी–सतनाम के परिवार के लिए जिन्होंने इस सभा में भाग लिया और मिशनरियों को अपनी कॉलोनी में भी सुसमाचार का प्रचार करने के लिए आमंत्रित किया। गुरुशरण के लिए जिनके हृदय की धमनियों में रुकावट थी, प्रार्थनाओं के उत्तर में उन्हें चंगाई मिली। गुरुप्रसाद के परिवार ने आराधना सेवा आयोजित करने के लिए अपना घर खोला और गाँवों में तथा आस–पास में सक्रिय रूप से ईश्वर के वचन को साझा करते हैं।

प्रार्थनाः 27 केडी कॉलोनी के गुरुदेव सिंह को लीवर की समस्या से चंगाई मिले। मानसिक अवसाद से पीड़ित सुखप्रीत की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो बाहर भटकता रहता है। पूजा को अपने माता–पिता की ओर से किसी भी तरह की रोक–टोक के बिना अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासियों के बच्चे जो सरकारी नौकरियों की तैयारी कर रहे हैं सरकारी क्षेत्रों में नौकरी मिले। हमारे युवाओं को शराब और नशीली दवाओं की लत से छुटकारा मिले।

तपुकाराः
डेनियल मार्वल राज एवं जेबासिली और राजम्मल जॉनसन

स्तुतिः आवास की कमी से जूझ रही सुनीता को अपना घर खरीदने में प्रभु ने सक्षम बनाया। तेजबाई को प्रार्थनाओं के द्वारा शराब और नशीली दवाओं की लत से छुटकारा मिला और उसके परिवार के सदस्य अब चर्च में आते हैं और हमारे मिशन कार्य के समर्थक बन गए हैं। जगिंधर ने जो अपनी दुकान से अपनी पहली आय प्रभु को देने का वादा किया था, ईश्वर की सहायता से अपना वादा पूरा किया।

प्रार्थनाः शराब के आदी अजीत के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें जो अपने परिवार के साथ लगातार दुर्व्यवहार करता रहता है ताकि वह मसीह को स्वीकार करे। हरजीत को उद्धार पाया हुआ जीवन साथी मिले। केन्द्रीय सरकार की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विजय को परिक्षा में अच्छे अंक प्राप्त हो।

मार्च
8
शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री हाम्मूएल लीमा
सुश्री रानी उरांव

उत्तर प्रदेश

सिकंदरा:

पचिया भाई एवं सविता बेन

स्तुति: 4 स्थानों पर विश्वासियों के लिए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए। उत्पीड़न के बीच विश्वासियों का विश्वास बढ़ता जो रहा है। परमेश्वर ने ठंड के मौसम में कई मौसमी संक्रमणों से विश्वासियों को बचाया और स्वास्थ्य की रक्षा की। कमलेश को एक जहरीले कीड़े के काटने से चंगाई मिली।

प्रार्थना: प्रभु से प्रार्थना करें कि वे सलेमपुर, इंगवारा और नंदू गाँव में नए आराधना समूहों की स्थापना के लिए किए जा रहे प्रयासों को सफलता मिले। पुरदाई, राजपुर और निनोकरा गाँवों में रात्रि सभाएं फिर से शुरू हों। हमारे विश्वासी साहसी बने रहें और उत्पीड़न के बीच अपने विश्वास में बने रहें। हिमांशु, भरत और उनके जैसे कुछ और लोगों को सब प्रकार की उलझनों से मुक्ति मिले। आने वाले आत्म विजेता प्रशिक्षण एवं आउटरीच सेवकाई के फलदायी होने आशीष के लिए प्रार्थन करें।

आइये हम अपनी महिलाओं के लिए प्रार्थना करें!

महिलाएँ ईश्वर की अद्भुत रचना हैं, जो सम्मान की पात्र हैं, फिर भी उन्हें असंख्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें असमान वेतन (पुरुषों द्वारा कमाए गए हर 100 रुपये पर 40 रुपये कमाना), नस्लीय अन्याय, लिंग आधारित हिंसा, अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवा और सीमित शिक्षा (महिलाओं के लिए 65.46% बनाम पुरुषों के लिए 80.88%) शामिल हैं। अन्य मुद्दों में मानव तस्करी (प्रतिदिन कम से कम 3 महिलाएँ), ऑनलाइन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा (38%), चयनात्मक गर्भपात, कन्या भ्रूण हत्या, दहेज, बाल विवाह और निम्न पारिवारिक स्थिति शामिल हैं। दिसंबर 2024 तक, भारत में 707 मिलियन महिलाएँ थीं।

आइये हम प्रार्थना करें

1. अधिक महिला नेताओं का उदय।
2. कार्य–जीवन संतुलन के लिए लचीली कार्य व्यवस्था।
3. परिवारों और समाज में महिलाओं को महत्त्व दिया जाना चाहिए और उनका सम्मान किया जाना चाहिए।
4. ऐसी नीतियाँ जो स्वस्थ कार्य को बढ़ावा दें। करियर की सफलता के लिए जीवन संतुलन।
5. महिलाओं को घर और समाज में संरक्षित किया जाना चाहिए और सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करनी चाहिए।
6. FMPB में 436 विवाहित महिला मिशनरियों, 36 अविवाहित महिलाओं और 15 एकल महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और दिव्य उपयोग।

मार्च
9
रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती वासंती स्टेला इमानुएल
श्री डेविड पी., श्रीमती प्रवाती मणि विनोद कुमार
श्रीमती पोन्नुताई ज्ञानसुंदरी आर्थर

हसेरनः

सुरेश मालतो एवं प्रेमलता

स्तुतिः संध्या को पीलिया और कम रक्त की कमी से चंगाई मिली। छत से फिसल कर गिरने पर आयुष के पोते राकेश को परमेश्वर ने चमत्कारिक रूप से बचाया। रागीनाथ को जिसके गले मछली का काँटा फंस गया था और चोट लग गई थी, प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। गटर के पानी में फंसा अनुराग को लोगों ने समय पर देख लिया और उसे बचा लिया।

प्रार्थनाः सरदार रामकृष्ण के मनफिराव के लिए प्रार्थना करें जो चर्च में जाने से रोकने के लिए लगातार जोगी लोगों का विरोध कर रहा है। सर्वेश की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो रात भर सो नहीं पाता। हमारे विश्वासी रामपेट्टी यादव की बेटी आरती को मसीही जीवनसाथी मिलने के लिए प्रार्थना करें। रामकुमार की पत्नी के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो उसे छोड़कर चली गई है, ताकि वह सुलह करके वापस आ सके। प्रार्थना करें कि परमेश्वर वन अधिकारियों के दिलों में हस्तक्षेप करें जो रामकिशोर और सुतेंद्र को घर बनाने से रोकते हैं, भले ही उन्हें इस संबंध में स्थानीय प्रशासन से दस्तावेज मिले हों, ताकि वे नरम पड़ें और आवश्यक मंजूरी दें।

बस्तीः

जे. श्रीनिवासन एवं शीबा जी चंद्रा

स्तुतिः 35 युवाओं ने 2 दिवसीय युवा शिविर में भाग लिया और लाभान्वित हुए। परमेश्वर ने विश्वासियों और मिशनरियों को इस भीषण ठंड के मौसम में सुरक्षा प्रदान किया। जब हमारी मिशनरी ने बैंगलोर में महिलाओं की बैठक में उत्तर प्रदेश में सेवकाई के बारे में बताया, तो कई लोगों ने सेवकई के लिए बहुत प्रार्थना की।

प्रार्थनाः मानसिक बीमार से पीड़ित 18 वर्षीय करुणामा को प्रभु की दया से चंगाई मिले। हमारी विश्वासी दीपा के पिता बबलू को शराब की लत से छुटकारा मिले। अमरावती को आँखों की बीमारी से चंगाई मिले। प्रभु हमारे पूर्व स्थानीय प्रचारक हरिहर यादव और 5 अन्य लोगों को चमत्कारिक रूप से छुटकारा प्रदान करे जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रभु उन युवाओं को अच्छे रोजगार के अवसर प्रदान करें जो नियमित रूप से चर्च में आते हैं और प्रभु की खोज करते हैं।

मार्च 10 सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सेल्वा कुमार आर. @ जोसेफ विल्सन
श्रीमती प्रोमिला सोरेन
श्रीमती शर्मिला सतीश

भरथनाः

राजन एवं जेबामलर

स्तुतिः रोहित, मीरा और अनिल को शैतानी बंधनों से मुक्ति मिली। 7 वर्षीय धनराज जो बोलने में असमर्थ था, प्रार्थना करने के बाद उसे बोलने की शक्ति मिली। सोनू की पत्नी आशा जो अत्यधिक रक्तस्राव से पीड़ित थी, जब उन्होंने विश्वास के साथ प्रार्थना की तो उसे चंगाई मिली।

प्रार्थनाः सुमृति ममता और प्रदीप को सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास को स्वीकार करने के लिए प्रार्थना करें। मेगना चर्च के खिलाफ चल रहे मामले में विश्वासियों के लिए अनुकूल निर्णय हो। स्थानीय प्रचारक श्याम सुंदर के खिलाफ लगाए गए झूठे मामले को सबूतों के अभाव में बरी करने के लिए प्रार्थना करें। शैतानी बंधन से पीड़ित रवींद्र और चलने में असमर्थ विजयगर को चंगाई मिले।

घाटमपुरः जंगखोलुन थौथांग एवं नौथियानचिंग थौथांग

स्तुतिः दो साल तक बंद रहने के बाद, घाटमपुर चर्च को साफ किया गया, फिर से खोला गया और स्थानीय पुलिस की मदद से अनियमित रूप से आराधना सेवा शुरू कर दी गई है। बाकी सभी चर्चों में स्थानीय पुलिस की अनुमति से सभी चर्चों में आराधना सेवाएँ आयोजित की जा रही हैं। सुनीता के दामाद जो पहले चर्च से नफरत करते थे, उन्होंने अब अपने जीवन में मसीह को स्वीकार कर लिया है और आराधना में भाग ले रहा है।

प्रार्थनाः घाटमपुर चर्च में सेवा के सुरक्षित और सावधानीपूर्वक संचालन के लिए प्रार्थना करें। कुछ विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो पुलिस विभाग द्वारा प्रोटोकॉल को कड़ा करने के कारण चर्च आराधना में भाग लने से डरते हैं, ताकि वे मसीह में हियाव पा सकें और स्वतंत्र रूप से आराधना कर सकें। परिस्थितियों के बीच में भी आराधना में आ रहे सभी विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि प्रभु उन्हें का आशीष दे।

जालौन (सिरसाकलार)ः

राकेश रतिलाल गवित एवं इरगर रेशमा मारुति

स्तुतिः ठिक्कर गाँव में एक नया प्रार्थना समूह शुरू किया गया है। बजीना गाँव में एक घर में एक नया प्रार्थना समूह का संचालन किया जा रहा है। उमरी गाँव के एक परिवार ने प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास किया है। रामपुर उपक्षेत्र में सेवकाई सफल हो रहा है।

प्रार्थनाः धिक्कर गाँव के रामगंध को लकवा से चंगाई मिले। निःसंतानता से पीड़ित दिनेश और हेमलता के परिवारों को संतान प्राप्ति का आशीर्वाद मिले। क्षय रोग से पीड़ित गाँधीबेन को चंगाई मिले। कुनियापुरा, धुशीपुरा और जगमपुर गाँवों में सेवकाई के लिए द्वार खुले। निरन्तर बुखार से पीड़ित जाह्नवी को चंगाई प्राप्त हो।

मार्च
11
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्री असिर सेल्वराज सी.
श्री प्रवीण दास
श्री सतीकांता परिच्छा

मध्य प्रदेश

खरगोनः

बिनित प्रसाद बर्धन एवं अमोजिता बिनित

स्तुतिः जलालबनी, सिप्टन, सैक्कड़ा, रामपुरा, नाइगोट और शारदापुर गाँवों में आध्यात्मिक साहित्यों के वितरण के तत्काल विरोध के बावजूद, सुसमाचार के प्रति लोगों का अभी भी अच्छी ग्रहणशीलता है। 35 महिलाओं ने आत्मा जीतने के महत्व पर आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिया।

प्रार्थनाः सिलोदिया गाँव की अनिता को दुष्टात्माओं के कब्जे से मुक्ति मिले। एक छोटी बच्ची अमृता जो बचपन से ही बोलने की क्षमता पूरी तरह से विकसित नहीं कर पाई है, बोलने की शक्ति मिले। हाथ–पैरों में अक्सर होने वाले घावों से पीड़ित बरगा नायक की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। कराडिया गाँव में सुसमाचार का घोर विरोध करने वालों के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें। नागवा गाँव में बंद की गई प्रार्थना सभा फिर से शुरू होने पाए।

चिड़ियाः

महेंद्रन एवं पुष्पम

स्तुतिः बीजापुर और सरपत गाँव में हमें सुसमाचार का प्रचार करने का अवसर मिला। जब करियाबुथा ने अपनी जमीन गिरवी रख दी थी और बकाया भुगतान के बाद भी उसे अपनी जमीन वापस नहीं मिली, तो विश्वासियों ने इकट्ठा होकर प्रार्थना की और प्रार्थना के परिणामस्वरूप, जमीन उसके असली मालिक को वापस मिल गई। जब खेती के लिए जमीन पर पर्याप्त पानी का स्रोत नहीं था, तो सलपाल परिवार ने ईश्वर से प्रार्थना की और एक नया कुआँ खोदा, परन्तु सिर्फ 15 फीट की गहराई पर एक उल्लेखनीय जल स्रोत मिला। रेखा रहने के लिए घर ढूँढने के लिए संघर्ष कर रही थी, ईश्वर ने उसे सरकारी योजना के माध्यम से एक घर प्रदान किया।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि प्रभु दौलतपुर क्षेत्र में शक्तिशाली रूप से कार्य करें, जहाँ सुसमाचार का प्रचार किया गया था। रावराम गाँव के लोगों के मनफिराव के लिए प्रार्थनाा करें जिन्होंने अपने गाँव में सुसमाचार के प्रचार को रोक रखा है। साधना को दुष्ट आत्मा के बंधन से मुक्ति मिले। बगलों में फोड़े से पीड़ित सोनीबाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिसके कारण वह काम करने में असमर्थ है।

मार्च
12
बुधवार
उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती शाइनी किंसली
श्री लेत्खोगिन माटे

असम

गोहपुरः नाथन कुमार बेबरता एवं निरुपोमा नाथन

स्तुतिः 2 गाँवों में विश्वासियों की सभा और एक नए गाँव में रात्रि सभा आयोजित की गई। प्रभु ने अनिता को सुरक्षित प्रसव का आशीर्वाद दिया। 7 गाँवों में अनुवर्ती सेवकाई पूरी की गई और नए संपर्कों को परमेश्वर के वचन से प्रोत्साहित किया गया।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि 3 नए गाँवों में जल्द ही चर्चों का निर्माण हो। नोबीन के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार में गहरी दिलचस्पी दिखाता है, ताकि वह अपने विश्वास में आगे बढ़े। हमारे मिशनरी की पत्नी निरुपोमा जो थायरॉयड की समस्या से पीड़ित है, उसे सर्जरी की आवश्यकता के बिना ठीक होने के लिए प्रार्थना करें। प्रभु हमारे स्वैच्छिक मिशन कार्यकर्त्ताओं – रोमन पेद्दू, महेश बद्री और मोनूराम को पेहु, सीलकांठा पचसुंग मिशन क्षेत्रों में सामर्थ्य के साथ इस्तेमाल करें। अपने खेतों में।

बिहार/पूर्वी गंगा क्षेत्र

रानीगंजः
एम. अनंतन एवं निशा आई

स्तुतिः राइक्का, सिम्मा, सिक्की गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई। रक्का गाँव के सत्यदेव ऋषि को प्रार्थना के द्वारा बीमारी से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि नए गाँवों में आराधना समूहों का गठन किए जाएँ। मुन्नीदेवी और मंदार ऋषि के स्वस्थ होने और उनके माध्यम से सिम्मा गाँव में एक नई आराधना दल की स्थापना हो। नये गाँवों में हमारे संपर्क में आए नए लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में आगे बढ़ें।

पूर्वी गंगा क्षेत्रः
बाबू पुष्पराज एवं रेचल जॉयस

स्तुतिः रक्का, सिम्मा, सिकनी और पक्काशी गाँव में अनुवर्ती सेवा पूरी की गई। केरा गाँव में एक नई आराधना समूह की शुरुआत की गयी है। फतेहपुर, रामथुंगा, बंगालपारी और महथपुर क्षेत्रों में नाटक के माध्यम से सुसमाचार साझा किया गया। सुगरसा में सुसमाचार की घोषणा की गई।

प्रार्थनाः विश्वास में नए आने वाले मुन्नीदेवी की दृष्टिहीनता से चंगाई मिले। राजवंशी जनसमूह के बीच सेवा करने के लिए समर्पित स्थानीय प्रचारकों की नियुक्ति और सुसामचार के लिए द्वार खुलने हेतु प्रार्थना करें। त्रिवेणी गाँव में सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध नीरज को प्रभु उपयोग करे। मिर्स्वा, राथांशा, धनकला और भिलुवा गाँव में द्वितीय चरण की सेवा पूरी की जाए। सकरसा गाँव में चिकित्सा शिविर के माध्यम से सुसमाचार प्रचार करने का अवसर मिले।

मार्च
13
गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्री हुटोई अचुमी के.

श्री येशुप्रकाश जे.

झारखंड

जामा एवं महारो छात्रावासः

मुन्ना मोहिंदर एवं सुमितदास

स्तुतिः परमेश्वर की अनुग्रह से, थुम्बरपंत, थुथली और डोमनाडी गाँव में नई आराधना दल का गठन किया गया। दो स्थानों पर मण्डलियों के लिए आत्मा विजेताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रमअआयोजित किए गए। 4 स्थानों पर आउटरीच सेवा सफलतापूर्वक संचालित की गई।

प्रार्थनाः चर्च के प्राचीनों और उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो आत्मा विजेताओं के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए थे, उनके द्वारा अपने सह–ग्रामीणों को सुसमाचार साझा करके मसीह की ओर ले जाने में वफादार रहें। काम की तलाश में दूसरे क्षेत्रों में गए हुए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु के प्रति विश्वासयोग्य रहें। पक्षाघात से पीड़ित रमदान सोरन को चंगाई मिले। अनिध मुर्मू, सोनोमी हेमरोम और गणेश मरांडी को मिर्गी से चंगाई मिले। अवसाद से पीड़ित पटेल हेमरोम की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

लालमटियाः

अमारेंदरन एवं गौरम्मा

स्तुतिः कई नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। जेसिका को दुष्टात्मा के चंगुल से छुटकारा मिली। प्रभु ने हमें अस्पतालों में मरीजों से मिलने और ईश्वर का वचन साझा करने में सक्षम बनाया। पालगी, देव नारायण और निर्मला को लंबे समय तक बीमारी के बाद प्रार्थना के माध्यम से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः जब कुछ विश्वासी मसीह में अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति के लिए तैयार हो रहे थे, थलाबाबू पालगोमी गाँव की बेस्टी, प्रिया कदारा गाँव के हंसदाक और थलगली गाँव के थलाबाबू की मृत्यु हो गई। इसलिए गाँव वाले हमारे विश्वासियों को उनके ईसाई धर्म को त्यागने के लिए मजबूर कर रहे हैं; प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासीगण अपने विश्वास पर दृढ़ रहें और सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास की घोषणा करें। कैंसर से पीड़ित सलोमी को चंगाई मिले। थलाबती मुर्मु के लिए प्रार्थना जो अपने जिगर में तरल पदार्थ के जमा होने से पीड़ित है प्रभु उसे चंगाई दे।

अमलागाछीः

गाजेन सम्प्रामेरी एवं रोशिला मुसाहारी

स्तुतिः दलाईपुरी गाँव में रात्रि सभा का आयोजन बडे रूप में आयोजित किया गया। इस सभा में लगभग 350 लोग शामिल हुए और वचन सुना। हमारी गलती से गलत रास्ते से यात्रा करने के कारण परमेश्वर की कृपा से हम एक नए गांव में सुसमाचार का प्रचार करने पहुँचे।

प्रार्थनाः बागड़पुर और दलाईपुर में सुसमाचार के वचन का प्रचार हो और फलदायी हो। संबहारिल गाँव में नई आराधना दल की स्थापना करने की हमारी योजना सफल हो। कुछ धार्मिक समूहों के लिए प्रार्थना करे जो गाँव में घर–घर जाकर सुसमाचार बाँटने के तरीके को रोकने का प्रयास करते हैं। चर्च के प्राचीनों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने मण्डलियों का नेतृत्व आध्यात्मिक तरीके से करें और सेवा फलदायी हो।

मार्च 14 शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती एलिजाबेथ डेविड
श्री व्यासु बाबू ए.
श्रीमती वुंग थियानचिंग थांग
श्रीमती बिरारी रीताबेन

हंसडीहाः

पी. सेंथिलकुमार एवं मुथुसेल्वी

स्तुतिः बीमारी के कारण मृत्युशैया पर पड़े लूसिया चर्च के एल्डर हेपना को विश्वासियों की प्रार्थनाओं के कारण चमत्कारिक रूप चंगाई मिली। प्रभु ने उन दुश्मनों की योजनाओं को विफल कर दिया जो हमारे सुब्बाराम चर्च एल्डर को मारना चाहते थे। मनोज को मिर्गी से चमत्कारिक रूप से चंगाई मिली अब उनके परिवार ने अपने जीवन में मसीह को स्वीकार कर लिया है।

प्रार्थनाः आगामी तीन दिवसीय मेले का सफलतापूर्वक आयोजन के लिए प्रार्थना करें कि भोजन, शौचालय, बच्चों और युवाओं के लिए सत्र, गायन दल और परमेश्वर के वचन के प्रचारकों की अच्छी व्यवस्था हो। अक्कावना, दबाई और कमुनिया के गाँवों में जहाँ नियमित रूप से घर–घर जाकर आराधना सभा संचालित की जाती है, वहाँ परमेश्वर की दया से आराधना समूहों का गठन किया जा सके।

बेथेल बाल भवन – कैराबनीः

मनोज कुमार पानी एवं संथानी पानी

स्तुतिः छात्रावास के छात्रों ने युवा रिट्रीट में उत्सुकता से भाग लिया और उन्हें आध्यात्मिक परामर्श दिया गया। एक दिवसीय बाल रिट्रीट का आयोजन सफलतापुर्वक आयाजन किया गया जो एक आशीर्वाद का कारण रहा। 20 दिनों से टॉइफाइड से पीड़ित रुबिन मुर्मू को प्रार्थना के उत्तर में चंगाई मिली। अजय सोरेन और किशन सोरेन को कान के संक्रमण से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः कॉलेज में अंतिम परीक्षा दे रहे जेरेश को ईश्वरीय ज्ञान और बुद्धि प्राप्त हो। बार–बार होने वाली पानी की कमी और खराब जनरेटर की समस्या का समाधान के लिए प्रार्थना करें। कॉलेज के छात्रावासों में रहने वाले हमारे छात्रों के लिए प्रार्थना करें कि वे दूसरों के सामने मसीह के अच्छे गवाह बनें। विलियम टुडू को पैर की सूजन से, डैनियल सोरेन और बेसरा को मिर्गी से, शैलेश और जेम्स मैरंडी को बीमारी से और साइमन बास्की को फंगल संक्रमण से चंगाई मिले। प्रभु हमारे छात्रावास के कर्मचारियों को अच्छे स्वास्थ्य और बुद्धि का आशीर्वाद दें। लड़कों की देखभाल के लिए एक प्रतिबद्ध वार्डन की आवश्यकता पूरी होने के लिए प्रार्थना करें।

मार्च
15
शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती अरुणा किंग्सली, श्री स्टालिन जीवा एन.
श्रीमतीपारान ज्याति लुसीना सुब्रमण्यन
श्रीमती एंजेलिन बसंथी ईलनगोवन
श्री हिजाम केनेडी सिंह
श्री राजन एस., सुश्री शिला हंसदक

भगैया:

पी. जेबाकुमार एवं पोनलता जे.

स्तुति: सरगुन को प्रार्थना के द्वारा शैतानी बंधन से पूर्ण छुटकारा मिली। ठंड के मौसम में हमारे विश्वासियों और मिशनरियों पर प्रभु की सुरक्षा के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। हमारे मिशनरी जेबाकुमार को अपने दोपहिया वाहन से दुर्घटनावश गिरने पर प्राप्त चमत्कारिक सुरक्षा के लिए प्रभु की स्तुति करें।

प्रार्थना: सिर में ट्यूमर से पीड़ित होने के कारण अस्पताल में भर्ती दो वर्षीय एस्तेर की चंगाई के लिए प्रार्थना करें कि वह परमेश्वर की दया से चंगाई पाए तथा इलाज की सारी आवश्यक्ता पूरी हो। डोलथपुर गाँव के बजरंगी के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार में गहरी दिलचस्पी दिखा रहा है, ताकि वह मसीह में उद्धारक विश्वास की ओर बढ़ें। कानपुर, श्रीपुर, पथरगनी, नादी और कुमारदो गाँव में आराधना समूह शुरू किया जा सके। मसूरिया गाँव में चर्च बनाने के लिए किए गए प्रयासों को प्रभु आशीर्वाद दे। प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासी माता–पिता और उनके युवा बच्चे पवित्र विवाह के महत्व को समझें और पवित्र जीवन जीने के लिए प्रतिबद्ध हों। मुनिलाल, डोमा, जगदीश, शंकर, छोटेलाल और मधु उराँव के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार का विरोध करते हैं।

लिट्टीपाडा:

एबेनेजर सैमुअल एवं मेबेल

स्तुति: 5 नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया है। हमारे रोहंगट चर्च के एल्डर सक्कलबाई की पत्नी के प्रसव के दौरान चमत्कारिक चंगाई के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। अवसाद से पीड़ित और अपने परिवार के लिए कलह का कारण बने मुंशी मारंडी अब प्रार्थनाओं के द्वारा चंगाई मिली और अपने परिवार के साथ सद्भाव से रह रहा है।

प्रार्थना: अगामी विश्वासियों का शिविर, बाइबल अध्ययन समूह और चर्च एल्डर्स प्रशिक्षण शिविर के सफल संचालन के लिए प्रार्थना करें। हमारे कड़ाडोला चर्च एल्डर की पत्नी के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। विश्वासियों का नियोजित मेला बिना किसी बाधा के आयोजित किया जाना चाहिए। जागेश्वर, सामपुर, साहेल और ठगरंगी गांवों में सुसमाचार का प्रचार किया जाएगा और संवकाई के परिणामस्वरूप चर्चों की स्थापना की जाए।

मार्च
16
रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री येक्टो चोफी
श्रीमती अनिमोल जॉन कुमार
श्रीमती एग्नेस एबेनेजर एडवर्ड
श्रीमती शेफाली हंसदा

तिनपहाड़:

नहेमायाह एवं अनामिका

स्तुतिः पुरुषों की संगति की शुरुआत पुरुषों को विश्वास में बढ़ने में मदद करने के उदेश्य से की गई है। हैदराबाद में काम के लिए गए छटालाल को प्रार्थना के द्वारा शारीरिक कमजोरी से चंगाई मिली। युवा संगति समूह के प्रयासों से, युवा लड़के और लड़कियाँ पश्चिम बंगाल के पड़ोसी राज्य में जाकर और सुसमाचार साझा किया।

प्रार्थनाः रामदेव मुंडा के लिए प्रार्थना करें जो अपने पिता की मृत्यु के बाद चर्च में आने की रुचि खो चुके हैं, ताकि वह प्रभु में आशा पाकर कलीसिया में वापस लौट सके। टीनू जो अपने दो नवजात शिशुओं को खोने के बाद टूट चुके हैं, उन्हें ईश्वरीय सांत्वना मिले और वे स्वस्थ हो सकें। मिथलेश, डोप्पू, गुड्डुवा मुंडा, जुलाई कुमारी, निरंजन डोप्पू और मंडल मुंडा के लिए प्राथ्रना करें कि वे विश्वास में आगे बढ़ें। सरकार को अपनी जमीनें उधार देने वाले मुंडा समुदाय के लोगों को उनके हक का लाभ मिले।

पश्चिम बंगाल

समसीः

दीपरत्ना एवं मिथिलेश

स्तुतिः फिल्म सेवा, आउटरीच मिशन और रात्रि सभाएँ निर्बाध रूप से संचालन किए गए। गुशाहा गाँव में एक नई रविवारीय आराधना सेवा शुरू की गई है। प्रार्थना करें कि दक्षिण सागर चर्च का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा हो सके। धालू हंसदा की पत्नी को शराब पीने की आदत से छुटकारा मिली।

प्रार्थनाः सुसमाचार प्रचार सेवा में चर्च के प्राचीनों के परिवारों और स्थानीय प्रचारकों के परिवारों की भागीदारी में उत्साह के लिए प्रार्थना करें। जिठलपुर और बाजिथपुर गाँव में अस्थायी चर्च का निर्माण कराया जाए। कुशहाहा गाँव के नारायण मुर्मू, छोटे मुर्मू, दुर्गा मुर्मू, पेड्डा मुर्मू, मुकेश मुर्मू, अनिल किस्कू, बाबूजी किस्कू माणिक मुर्मू और ओडाम्पुगरी गाँव के श्री मगालू हांसदा के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। टैगोर किस्कू, मिथुन हांसदा, लालू सोरेन, सुनील किस्कू और मंजू किस्कू के हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार का विरोध करते हैं, वे ईश्वर के प्रेम से प्रभावित हों।

मार्च
17
सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सेल्वराज ए.
श्रीमती सविता देवी आशीष कुमार

पाकुआहाट:

रामकृष्ण एवं अंजलि देवी बंटुमिल्ली

स्तुति: कोमली हंसदा को प्रार्थनाओं के द्वारा मिर्गी से चंगाई मिली। परमेश्वर ने मुर्मू और आस्था मुनि को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित किया। गर्भपात के कारण घातक पतन के कगार पर पहुँची कल्पना प्रार्थना के द्वारा पूरी तरह से चंगी हो गई। युवा सेवा में भाग लेने वाले विश्वनाथ टुडू ने अपना जीवन प्रभु की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। हमारे विश्वासी पिसुगा हांसदा के लापता बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए प्रभु को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: जाने मुर्मू, लेतर मुर्मु, सिबू टुडू और महाजोन हसदा के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार का विरोध करते हैं। प्रभु उन विश्वासियों के जीवन की रक्षा करें जो अन्य स्थानों पर पलायन करते हैं। हमारे स्थानीय प्रचारक साइमन किस्कू और जेठ्ठा हेम्ब्रोम के परिवारों पर प्रभु की शक्ति और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें। रामनाथ हसदा के परिवार को उनके भारी ऋण के बोझ से छुटकारा मिले। प्रार्थना करें कि प्रभु कोमली हांसदा को चंगाई प्रदान करें।

तपन:

हरमोहन प्रोबुदास नायक एवं कुमारी सुसामा पानी

स्तुति: तेज बुखार और खाँसी से पीड़ित होने के कारण रात भर बेहोश अंडोल गाँव का 11 वर्षीय अमित सोरेन के लिए विश्वाससियों ने रात भर प्रार्थना की और प्रभु ने उसको चंगाई दी। नाक से खून बहने से पीड़ित जयदेव मुर्मू को प्रभु ने चंगाई दी। जब गाँव में कोई भी हमारे वियवासी देबू सोरेन को दफनाने के लिए आगे नहीं आया तो परमेश्वर ने गाँव के प्रधान का दिल जीत लिया और वे गाँव वालों की मदद से उस शोकाकुल आत्मा को दफनाने के लिए आगे आए। हमारे कई विश्वासियों को परमेश्वर की कृपा से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर मिला।

प्रार्थना: पूजा टुडू को अवसाद से, दुर्गा मुर्मू को क्षय रोग से, बिलमुनी को शारीरिक बीमारी से, पुलमनी मार्डी को मस्तिष्क की बीमारी से, बसंती हेम्ब्रोम को सांस लेने की बीमारी से और सोनोदी से टुडू को उच्च रक्तचाप से चंगाई मिले। उन युवाओं के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अपना जीवन मसीह को समर्पित कर दिया, ताकि वे पवित्र आत्मा की सहायता से गवाही का जीवन जी सकें।

मार्च
18
मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती इंद्रम्मा डैनियल विजयाराज

इटाहार:

अस्ताबन आदित्य कुमार
लीमा एवं मानिनी आदित्य

स्तुतिः प्रधानमंत्री आवास योजना से 10 विश्वासियों को घर प्राप्त हुए। स्थानीय प्रचारकों का प्रशिक्षण अपने उद्देश्य में सफल रहा। बसाहार गाँव के दलमाई बास्की प्रार्थना के द्वारा रक्तवमन से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे आध्यात्मिक जीवन में आनन्द के साथ आगे बढ़ें। पूरन टुडू के को क्षय रोग से चंगाई मिले। लूथर हेम्ब्रोम और भीम सोरन को कई दिनों से हो रहे पीठ दर्द से मुक्ति प्राप्त हो। सोनाली मुर्मू और बिस्वा मुनिकु के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। रूबेन मुर्मू, निमाई मुर्मू और अर्जुन मुर्मू के परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि वे जीवित प्रभु यीशु पर भरोसा रखें। परुवास मुर्मू को गुर्दे की पथरी से दिव्य चंगाई प्राप्त हो।

करंडिहीः कैथेइगिनवैफेइ

स्तुतिः किशनगंज क्षेत्र में सेवकाई के विस्तार और पंजीपारा क्षेत्र में सुसमाचार के प्रचार के लिए प्रार्थना करें। अपने स्वयं के प्रयासों से, गुंडरगाव के विश्वासियों ने प्रभु की आराधना करने के लिए एक अस्थायी चर्च भवन का निर्माण किया। गुंडारगाव गाँव के सृष्टि किस्कू जो कई दिनों तक चलने में असमर्थ था, अब विश्वास के साथ की गई प्रार्थना के द्वारा चलने में सक्षम है।

प्रार्थनाः विश्वास से भटके हेपन हसदक और सिमु बास्की परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे फिर से प्रभु का ओर लौटें। विजय महतो, भुलई मुर्मू, लुथुरु मुर्मू और बबलू मुर्मू के लिए प्रार्थना करे जो सुसमाचार का विरोध करते हैं, वे अपने जीवन में यीशु के प्रेम का स्वाद चखने पाएं। उल्काट्टू और सतनिकुट्टू गाँवों में आराधनाा सेवाएं बिना किसी बाधा के फिर से शुरू हो सके। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह में गवाही का जीवन जीएँ। हमारे स्थानीय प्रचारक जेगाथा हेम्ब्रोम का परिवार ईमानदारी से प्रभु की सेवा कर सके।

बालुरघाटः

किंग्सले लिविंगस्टन एवं
डेल्फिन; रंजन खासला

स्तुतिः चर्च एल्डर्स कैंप सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। 9 गाँवों में आउटरीच सेवा संचालित की गई। सभी मण्डलियों में बाइबल अध्ययन समूहों का सावधानीपूर्वक संचालन किया जाता है। संडे स्कूल की कक्षाएँ हमारे प्रभु के मार्ग पर छोटे बच्चों का पालन–पोषण करने में प्रभावी हैं।

डेटकेट्टाला, सक्करिया, अमृतपुर और बेला गाँव में रहने वाले लोगों के दिलों और जीवन में पवित्र आत्मा के काम के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जिन्होंने सुसमाचार सुना है और लोगों को एक सच्चे जीवित ईश्वर तक पहुँचने का रास्ता मिला। चर्च के अगुवों सुशील हंसदाक, अमीन हस्कू, रोहन मुर्मू और सैम किस्कू को ईश्वर का मार्गदर्शन प्राप्त हो मण्डली का आध्यात्मिक रूप से नेतृत्व करने और प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास बढ़ाने में आगे बढ़ें। आगामी सेवकाई की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

मार्च
19
बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती रेनुमा सडांगी दीप्तिलाल माली
श्रीमती डेल्फिन किंग्सली लिविंगस्टन

ओड़िशा

जगन्नाथपुरः

बासुदेव मालतो एवं बसंती मालतो; सुरेश मालतो

स्तुतिः कई नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार–प्रसार का कार्य सफलतापूर्वक हुआ। युवाओं को आनंद यात्रा पर ले जाया गया, तथा उन्हें आध्यात्मिक परामर्श दिया गया। बाड़ाजामदा गाँव में युवाओं के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान का निर्माण शानदार तरीके से किया जा रहा है। बिरजोम जनसमूह के बीच एक प्रार्थना कक्ष की स्थापना की गई है।

प्रार्थनाः मारागिसाई, गुमिरदा, कुमारडुंगी गाँव में प्रचारित सुसमाचार श्रोताओं के दिलों में काम करे। मिर्गी से पीड़ित सुक्कीलाल लाहौरी, बागावन लाहौरी और कोठीराम लाहौरी को मिर्गी की बीमारी से चंगाई मिले। पक्षाघात से पीड़ित गुरुबारी की चंगइ के लिए प्रार्थना करें। आगामी आम्ता विजेता प्रशिक्षण शिविर की सफलता के लिए प्रार्थना करें कि स्थानीय प्रचारकों के परिवार के लिए यह कार्यक्रम फलदायी हो।

गुजरात

सेलम्बाः

युवनेश एवं झाँसी रानी

स्तुतिः थगमसा बेन जो अपने विवाहित जीवन के कई वर्षों तक बाँझ रही थी, उसे एक लड़के का आशीर्वाद मिला। महिलाओं की सभा दो स्थानों पर सफलतापूर्वक आयोजित की गई। निकिता जो पक्षाघात के कारण चलने में असमर्थ थी, चर्च में विश्वास के साथ प्रार्थना के द्वारा वह चलने में सक्षम हुई। सतीश जो चल रहे भूमि विवाद के कारण निराश था, चर्च में आया और प्रार्थना की और इस मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान प्राप्त किया।

प्रार्थनाः उन 15 लोगों के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति की ओर अपने विश्वास की यात्रा पर हैं ताकि वे मसीही परिपक्वता में बढ़ सकें और मसीह यीशु में अपने विश्वास को साहसपूर्वक स्वीकार कर सकें। गुर्दे की पथरी से पीड़ित ईश्वर भाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिसके कारण वह बार बार बीमार हो रहता है। सुवर्धा के लिए जो विवाह योग्य आयु में पहुँच गई है ताकि उसे विश्वासी जीवन साथी प्राप्त हो। हमारे मिशनरियों के बच्चों के लिए प्रार्थना करें जो अपनी 10 वीं और 12 वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं ताकि वे अपनी पढ़ाई में अच्छे अंक प्राप्त कर सकें।

मार्च 20 गुरूवार

जन्मदिन मुबारक

श्री डेविड पेरुमल, श्री जॉर्ज सी.आर.
श्रीमती पुष्पिता रानी बेहरा
श्रीमती ज्ञाना सेल्वरानी जीवा
श्री बिमल चंद्रा मुर्मू
श्री सामुएल बेबरता

सूरत: मथावरॉय (सेवानिवृत्त) एवं जेबातंगम

स्तुति: उमिया नगर और गणेश नगर में नई आराधना सेवाएँ शुरू की गई हैं। परमेश्वर ने गरीबी से पीड़ित बबलू बाई और वसंती बेन को ऑटो रिक्शा खरीदने और अपनी आजीविका चलाने का रास्ता दिखाया। लीवर में सूजन से पीड़ित राधा बेन को उनकी प्रार्थना उत्तर में चंगाई मिली।

प्रार्थना: दृष्टि की कमी से पीड़ित निशाबेन को चंगाई मिले। शाहिल, आरिफ़ और आरव के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने पुलिस बल में नियुक्ति के लिए परीक्षा दी है, सफलता मिले। सिवानी के परिवार के लिए प्रार्थना करें जो विश्वास में कमजोर हो रहे हैं प्रभु की ओर फिरें। काम के लिए हैदराबाद चली गई उमेश्वरी को मसीह में सुरक्षा मिले। रेवाबाई के चाचा के मन परिवर्तन के लिए जो ईसाई सभाओं में आने का विरोध करते हैं, उन्हें पश्चाताप हो और वे हमारे प्रभु यीशु के प्रेम का स्वाद चखें।

अहवा:

विग्नेश्वरन एवं एंजेलिन एम.

स्तुति: कोसम्या गाँव की कमलेश को प्रार्थना के द्वारा रक्त संबंधी समस्या पूर्ण चंगाई मिली। वैवाहिक जीवन के 5 वर्षों से निःसंतान सुरेंद्र और उर्मिला को परमेश्वर ने एक सुंदर बेटी का आशीर्वाद दिया। जन्म ही से चलने में असमर्थ रवीना बेन को प्राथना के द्वारा अब लाठी के सहारे चले में सक्षम है।

प्रार्थना: निमोनिया से पीड़ित हमारे मिशनरी भाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। चर्च में नए आए मोहनबाई को गंभीर छाती दर्द से चंगाई प्राप्त हो। ठुमकल गाँव के छोटे लड़के शैलेश को मिर्गी से चंगाई मिले। मोहापाड़ा गाँव की विलास बाई को दुर्घटना में फ्रैक्चर पैर की शीघ्र चंगाई के लिए प्रार्थना करें। उन गाँवों में सुसामचार के लिए द्वार खुले जहाँ आउटरीच सेवकाई संचालित किया गया है।

प्रभु उद्धारकर्ता है !

मध्य प्रदेश के खरगोन मिशन क्षेत्र के सेलोदिया गाँव की निवासी साठ वर्षीय सुशीला म मांझी एक ऐसी महिला थी जो प्रभु को नहीं जानती थी। अपने पति के चले जाने के बाद, वह अपनी बेटी के साथ रहती थी। एक दिन, वह बीमार पड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ रक्त परीक्षण से पता चला कि उसे एड्स है। सुशीला को उसकी बेटी के घर भेजा गया, लेकिन गाँव वालों ने उससे दूरी बनाए रखी और उसके बारे में बुरा–भला कहा। उसका दामाद, जो एक विश्वासी था, उसके साथ सुसमाचार साझा करता था और उसके लिए प्रार्थना करने लगा। कुछ दिनों के बाद, सुशीला एक और रक्त परीक्षण के लिए अस्पताल गई, और चमत्कारिक रूप से, एड्स के लक्षण गायब हो गए। हलेलुयाह! सुशीला अपनी चंगाई के लिए लगातार प्रभु को धन्यवाद देती हैं और सुसामचार का प्रचार करती हैं।

मार्च
21
शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सेलिना हंसदक किस्कू
श्रीमती प्रोपिला बसुमतारी प्रोदीप
श्री गोविंदराजन ई., श्रीमती शशिकला वेंकटेशन
श्री राजेंद्रन जे., श्री गणेश आर.

विजयनगर:
विजय कुमार एवं सुशीला

स्तुति: परमेश्वर की अनुग्रह से, 3 स्थानों पर नई आराधना सेवाएं शुरू की गई हैं। सीकरी चर्च के समर्पण परेश्वर की महिमा के लिए किया गया और बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्र होकर परमेश्वर की आराधना की। कल्पेश बाई जो अपनी ट्रक में दुर्घटना का शिकार हो गए थे और चलने में असमर्थ थे, परमेश्वर की कृपा से पूरी तरह से ठीक हो गया। पोगराबोला और समलेबनवा गाँवों में चर्च निर्माण के सफल समापन के लिए प्रभु की स्तुकत करें।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि सभी 11 चर्च अपनी आध्यात्मिक परिपक्वता में आगे बढ़ सकें। डुंगारा भील जनसमूह के बीच आध्यात्मिक पुनरुत्थान हो सके। सुनीता के गले में ट्यूमर के कारण उसे खाना खाने में कठिनाई हो रही है, प्रार्थना करें कि उसे पूरी रीति से चंगाई मिले। तंत्रिका संबंधी समस्या के कारण चलने में असमर्थ कालू बाई और रक्त की कमी के कारण कमजोरी से पीड़ित चंदूबाई को दिव्य उपचार प्राप्त हो।

मेहसाना: शंभूनाथ नायक एवं राजेश्वरी प्रधान

स्तुति: आयोजित साधक शिविर में परमार समुदाय के कई लोगों ने भाग लिया और उत्सुकता से परमेश्वर के वचन को सुना। कामेश्वरपार्क गाँव में एक नया आराधना समूह शुरू किया गया है। प्रभु के नेतृत्व में, आनंदी और सोनल बेन दूसरों के लिए प्रार्थना सेवा का ईमानदारी से पालन कर रही हैं। सुंदरिका, जो बिना घरबिहीन थी प्रभु ने उसे रहने के लिए एक घर प्रदान किया।

प्रार्थना: प्रभु परमार जन समूह के बीच आध्यात्मिक जागृति लाए जिन्होंने सुसमाचार सुना है। जो लोगों ने रात्रिकी सभाओं में उपस्थित हुए थे, वे प्रभु यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें। आशीष और आकाश को मसीही जीवन साथी मिल सके। उंजा गाँव में आयोजित खोजियों के शिविर में कई लोगों ने भाग लिया।

हवा के बदलने पर भी वचन बोया गया!

झारखंड के अमलगाछी में मिशन क्षेत्र काम करने वाले मिशनरी गजेन रांग्रामेरी परिवार ने काम करने वाले विश्वासियों से मिलने के लिए एक गांव का दौरा किया, परन्तु उन्होंने पाया कि सभी लोग काम पर गए हुए हैं। निराश होकर, वे अपना रास्ता भूल गए और दूसरे गाँव में पहुँच गए, जहाँ वे किसी को नहीं जानते थे। परमेश्वर के मार्गदर्शन में, वे एक घर के बरामदे पर बैठ गए और सुसमाचार का प्रचार करना शुरू कर दिया। नारायण नामक एक युवक की माँ ने उन्हें अपने बेटे की एक तस्वीर दी और उनसे प्रार्थना करने के लिए कहा, क्योंकि उसने लंबे समय से उससे कोई बात नहीं की थी। मिशनरियों ने नारायण के लिए प्रार्थना की और घर लौट आए। अगले दिन, उन्हें खबर मिली कि नारायण मुंबई से सुरक्षित घर लौट आया है। आज, उस गाँव में एक प्रार्थना सभा आयोजित की जाती है। परमेश्वर की महिमा हो!

मार्च
22
शनिवार

झावड़ा – सेंट थॉमस इंग्लिश स्कूलः

हरिबाबू एवं पंकजम; पोन ऑगस्टिन एवं जॉयस शोबाना; सतीश कुमार एवं क्रिस्टी जयंती: डेनियल राजमणि एस. एवं सोफिया; रूथ मालतो; थंगबियाकमुआन

स्तुतिः डॉ. बेउला द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर के लिए, जिसके माध्यम से छात्रों को परामर्श दिया गया और उन्हें आवश्यक दवाइयाँ दी गईं। हमारे छात्रों का चयन जिला और तालुका स्तर पर हैंडबॉल और फुटबॉल के लिए किया गया है। हमारे 12वीं कक्षा के छात्रों को उनकी उच्च शिक्षा के लिए दिए गए करियर मार्गदर्शन के लिए प्रभु को धन्यवाद दें।

प्रार्थनाः 10वीं की तैयारी कर रहे 48 विद्यार्थियों और 12वीं की तैयारी कर रहे 9 विद्यार्थियों के लिए प्रार्थना करें कि वे बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकें। NEEET परिक्षा की तैयारी कर रहे बच्चों के लिए प्राथ्रना करें कि वे परिक्षा में सफल हो सकें। चिकन पॉक्स के कारण घर चले गए बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने और स्कूल में पुनः प्रवेश पाने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि विद्यार्थियों के लिए खेल मैदान बनाने के लिए भूमि खरीदी जा सके। प्रतिबद्ध शिक्षक जो सरकारी मानदंडों की आवश्यकता को पूरा करते हैं, वे हमारे स्कूल में दूसरी पीढ़ी के विश्वासियों को पढ़ाने में शामिल हों।

दादरा नगर हवेली

खानवेलः

अरुल असीर डी. एवं सुगुना एल.

स्तुतिः परमेश्वर ने मल्लीबाई को रात के समय जहरीले साँप पर पैर रखकर बिना काटे बचाया। किरण बाई और मल्ली बाई के लिए, जो दोपहिया वाहन से दुर्घटनाग्रस्त का शिकार हुई थी परन्तु परमेश्वर ने दोनों को बिना किसी चोट के बचा लिया। लीवर की समस्या से पीड़ित वंशीबाई को चंगाई मिली।

प्रार्थनाः 2 साल के सूरज को त्वचा पर के सफेद दाग स चंगाई मिले। पेड़ से गिरकर कूल्हे और हाथों में चोटिल जयवंत बेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। जीप द्वारा दुर्घटना में घायल सोनजी बाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। जानु बाई, जो प्रोस्टेट ग्रंथि के बढ़ने के कारण मूत्र प्रवाह कम होने से तकलीफ में है तथा उसके कारण शरीर में सूजन आ जाती है प्रार्थना करें कि उसे चंगाई मिले।

मार्च
23
रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सुकांतो कुमार सिंह

श्रीमती नेमजावाह थंगलाल जोउ

महाराष्ट्र

सुरगनाः

टी. मायिलुसामी एवं येसुमानी टी.

स्तुतिः मानसिक अवसाद के कारण जंगल में भटकता बेहरा गाँव के उमेश के लिए कई तरह की पूजा–अर्चना करवाई गई, लेकिन कोई भी उपाय काम नहीं किया। जब उसे चर्च में लाया गया और विश्वासियों ने प्रार्थना की, तो परमेश्वर ने उसे पूरी तरह से चंगाई दी। सिवपाड़ा और हिरणपुर गाँवों में नई आराधना समूह स्थापित किए गए। 32 युवा लोगों ने संडे स्कूल टीचर्स ट्रेनिंग वर्कशॉप में भाग लिया। चर्च एल्डर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम में 27 चर्च एल्डर्स ने हिस्सा लिया और उन्हें आशीर्वाद मिला।

प्रार्थनाः सोनीराव और केथु द्वारा दायर मुकदमे के कारण पुथडीं गाँव में चर्च का निर्माण कार्य रुक गया। कृप्या उनके उद्धार के लिए प्रार्थना करें कि चर्च निर्माण का कार्य फिर से शुरू हो सके। के लिए कुकटमुंडा गाँव की यशवंत बाई के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार का घोर विरोध करती है। पोरीगावूडा गाँव के 8 पुजारियों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें जो आराधना सेवा को रोकने की बहुत कोशिश करते हैं, उनके सभी प्रयास परमेश्वर द्वारा फिल कर दिया जाए। पांडु एवं मनोहर के उद्धार के लिए जो बापलुन गाँव में हमारी आराधना सेवा को शुरू करने में बाधक हैं।

पिंपलनरः बालाजी नेड्डालम एवं जगदेश्वरी

स्तुतिः उन लोगों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जिन्होंने नए गाँवों में सुसमाचार सुना है। कादी और पलसाना गाँव में महिलाओं की प्रार्थना संगति हर हफ्ते नियमित रूप आयोजित की जाती है। आरथा और मोवांगी गाँवों में आराधना समूह स्थापित किए गए हैं। ज्योति, जिसका पति उसे टीबी होने पर छोड़ गया था, उसकी उत्कृष्ट प्रार्थनाओं के जवाब में उसके साथ फिर से मिल गया है।

प्रार्थनाः 10वीं और 12 वीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे बच्चों के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि जोरी, कनीमंडल और मोगापाड़ा गाँवों में नए आराधना समूह शुरू किया जा सके। प्रार्थना करें कि रोगत, कसाटपायर और पंचोली गाँव के पंजायत में चर्च बनाने की उचित अनुमति मिले। वाल्वे गाँव में आयोजित की जा रही आराधना सेवा में बाधा डालने वाली लवी बाई के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें।

मार्च
24
सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती निरोला दिगल
श्री केनोज स्टेनली इन्बाराज

नेरः

मूर्ति एवं भारती मूर्ति

स्तुतिः नामपुर और कुसुम्बा गाँवों के लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। महिलाओं सभा और बाल सभा दो–दो क्षेत्रों में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। वासमर गाँव में पूर्व में बन्द चर्च आराधना सेवा फिर से आरम्भ कर दी गई है।

प्रार्थनाः उन स्थानों पर नए संपर्क स्थापित हों जहाँ सुसमाचार की नई घोषणा की गई है ताकि आराधना समूह स्थापित किए जाएँ। विश्वासियों और युवाओं के लिए प्रार्थना करें वक को उत्साह के साथ बाइबल अध्ययन संगति में भाग लें। आगामी सुसमाचार प्राचर सेवा सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रार्थना करें।

धड़गाँवः **एबेनेजर सैमुअल एवं जोशना जयरानी**

स्तुतिः कड़ीका गाँव की जामलीबाई को लंबे समय से आंखों में पानी आने की समस्या थी, जे किसी भी प्रकार की उपचार से राहत नहीं पा सकी, परन्तु प्रार्थना के द्वारा उसे चंगाई मिली। मोकराबाई को शैतानी बंधन के कारण अचानक अपनी आवाज खोनी पड़ी और उसकी सेहत बिगड़ती चली गई, परन्तु विश्वासियों की प्राथना के द्वारा उसे चंगई मिली और एक सप्ताह के भीतर उसे अपनी आवाज वापस मिल गई। मोगीबाई को प्रार्थना के द्वारा पैर और हाथ के सूजन से चंगाई मिली।

प्रार्थनाः क्षय रोग से पीड़ित मोनिका को चंगाई मिले। दस वर्षो से शौच के समय रक्त स्राव से पीड़ित रोहिदास की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। गर्दन में अतिरिक्त वृद्धि से परेशान अरविंद को चंगाई मिले। गर्भपात के कारण दुःखी बाशा के परिवार की सात्वाना के लिए प्रार्थना करें।

चोपड़ा एवं संगवी नया जीवन
छात्रावासः**वसावा**

भंगसिंह मौल्या एवं महाले येमनबेन पोसलियाभाई

स्तुतिः हमारे बाल भवन का बच्चा राकेश को हाथ में फ्रैक्चर से पूरी चंगाई मिली था और वह घर जाकर सुरक्षित वापस लौट आया। ईश्वर ने चोपड़ा क्षेत्र के हमारे विश्वासी की प्रार्थना सुनकर 3 वर्षों से मानसिक रूप से परेशान उनके बेटे को चंगाई दी। हमारे बाल भवन का छात्र विजय को पीलिया से चंगाई मिली। परमेश्वर ने हमारे बाल भवन के बच्चों को भीषण सर्दी के दौरान होने वाली विभिन्न मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रखा।

प्रार्थनाः 10वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों के लिए प्रार्थना करें कि वे अच्छे अंक प्राप्त कर सकें। प्रेम और ईश्वर को हाथ के फ्रैक्चर से शीघ्र चंगाई मिले। हमारे विश्वासी के बेटे अर्पित को त्वचा पर के चकत्ते से चंगाई प्राप्त हो। प्रार्थना करे कि परमेश्वर हमारे विश्वासी सुनील परिवार की प्रार्थनाओं का उत्तर दें, और संतान सुखकी इच्छा को पूरा करे। मोगीबाई के उद्धार के लिए प्राथना करें।

मार्च 25 मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती ल्हिंगनेइहोइ जोउ

इगतपुरी: नागराजन. एम एवं थिलागावती आर.

स्तुति: जब हमारे आस्तिक हरिबंधु पर जरवतकुरथा गाँव में उसके अपने ही बैल ने हमला किया, तो परमेश्वर ने अपनी कृपा से उसके चेहरे को किसी भी बुरे हमले से बचाया। संजय की वफादार प्रार्थनाओं के कारण, आत्महत्या के विचारों से पीड़ित सोनाली को उसके बुरे विचारों से मुक्ति मिली। तलेगाव गाँव में एक नया आराधना शुरू किया गया। सभी नए संपर्कों के लिए जिन्होंने आराधना सेवाओं में भाग लेना शुरू कर दिया है।

प्रार्थना: वनिता योगेश पर ईश्वर के स्पर्श और उद्धार के लिए प्रार्थना करें जो अपने पति द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद अपने दो बच्चों के साथ अकेले रह गई है और भय तथा शैतानी हमलों से घिरी हुई है। हमारे नए विश्वासी नंदिनी की बहू को तीव्र पेट दर्द से चंगाई मिले। ल्यूकेमिया से पीड़ित शालिनी को चंगाई मिले। अन्य मण्डली के विश्वासियों के पश्चाताप के प्रार्थना करें जो अपने विधर्मी विश्वास से हमारे विश्वासियों के विश्वास को भ्रमित करते हैं, ताकि वे सच्ची रोशनी में आ सकें। दामनी, जनवाणीवादी, गुडुचिवादी और अथेरवादी गाँवों के ग्रामीण नेता गौतम और बंडुरंग के पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें जो ईसाई धर्म और कार्य का विरोध करते हैं, वे जीवित प्रभु को जानें। बीमारी के कारण गले के दर्द से पीड़ित कीर्ति संजय को चंगाई मिले। विधवा विश्वासी कमल और वनिता के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें अपना राशन कार्ड प्राप्त हो।

चालीसगाँव: येसु प्रकाश एवं सुनंदा बेली

स्तुति: बांडुगाव, वक्कुडा, बोनाडी और बांसी गाँव में अनुवर्ती सेवा पूरी की गई। बीमारी के कारण बिस्तर पर पड़े गौतम बहल को प्रार्थना के बाद उठकर भोजन करने में सक्षम हुए। अकला बेन, जिसके हाथ काम करना बंद कर चुके थे, प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली और अब वह अपने हाथों को उठाने में सक्षम है।

प्रार्थना: हमारे मिशनरी जो उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं, उन्हें उपचार मिले। रेखा बेन को माइग्रेन से चंगाई मिले जो काम करने में असमर्थ हैं। जुलाल और सिंधु को शराब के लत में हैं और अपने घर में कलह का कारण बनते हैं। परमेश्वर उन्हें उसकी बूरी आदतों से छुटकारा प्रदान करे। अचानक अपने हाथों की गतिविधियाँ खो चुके प्रकाश को चंगाई प्राप्त हो।

अक्कलकुवा: जगमोहन सिंह एवं स्वाति शर्मा

स्तुति: 8 गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई। 7 मंडलियों में पूरे दिन उपवास प्रार्थना आयोजित की गई। विश्वासियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपने गाँव के लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना की। महिलाओं की विशेष सभाएँ दो स्थानों पर आयोजित की गई।

प्रार्थना: टिचू बाई के लिए प्रार्थना करें जो मूत्र असंयम से पीड़ित है, उसे खुद पर नियंत्रण पाने में सक्षम हो। टीबी से पीड़ित सुनंदा को और लगातार पेचिश और उल्टी से पीड़ित राजी बाई की चंगाई के लिए प्राथ्र्नना करें। उषा जो अपना घर बनाना शुरू कर चुकी है, वह अपने प्रोजेक्ट के लिए सभी सरकारी सहायता प्राप्त करने में सक्षम हों।

मार्च
26
बुधवार

उपवास प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री जैकब ज्ञानपंडितन एम.
श्रीमती मारिया सेल्वी धर्मराज
श्री अल्बर्ट संतोष राज जे.
श्रीमती चिंग नेइ सियान

बोईसरः

बसंत गुरु

स्तुतिः साहित्य सेवकाई को प्रभावशाली ढंग से पूरा करने के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। तीन दिवसीय उपवास प्रार्थना आयोजित की गई और कई विश्वासियों ने भाग लिया और राष्ट्र के लिए प्रार्थना की। पासुलाबेन जो अपने विवाहित जीवन के 12 वर्षों तक निःसंतान रही, अब अपनी निरंतर प्रार्थनाओं के उत्तर में एक बच्चे की आशीष पाई है।

प्रार्थना करेंरू कुछ धार्मिक कट्टरपंथी समूहों के लिए जो सरसी गांव में हाल ही में शुरू की गई पूजा सेवा को रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रार्थनाः कुछ धार्मिक कट्टरपंतियों के हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना करें जो सरासी गाँव की आराधना समूह को रोकने का प्रयास करते हैं। उन लोगों के लिए प्रार्थना करे जो थलावली गाँव के विश्वासियों को विश्वास छोड़ने की धमकी देते हैं। उन गाँव के नेताओं के लिए प्रार्थना करें जो गाँव के चर्च को ध्वस्त करने की कोशिश करते हैं, ताकि वे हमारे प्रभु के प्रेम का स्वाद चख सकें। कुछ लोग जो विश्वासी बन गए हैं, परन्तु अपने गाँव में सामाजिक दबाव के कारण अपने विश्वास को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने में हिचकिचाते हैं, प्रार्थना करें कि वे अपने डर पर काबू पाएं और मसीह के लिए खड़े हो सकें।

गड़चंदूर एवं पांधारकवड़ाः

पॉल अल्बर्ट एवं रानी जेसीलेट

स्तुतिः शैतानी ताकतों के चंगुल में फँसे संदीप और दीपा जो अपने शरीर से बहुत कमजोर हो चुके थे और बार–बार उल्टी करते थे, कई लोगों की प्रार्थना के कारण चमत्कारिक रूप से चंगाई मिली। परमेश्वर ने जगन और पवित्रा को अद्भुत चंगाई प्रदान किया, जो कई दिनों से बीमारी से जूझ रहे थे और काम करने में असमर्थ थे।

प्रार्थनाः प्रभु से प्रार्थना करें कि अज्ञात बीमारी के कारण बिस्तर पर पड़वह 3 वर्षीय प्रियांशी को चंगाई दे। दृष्टि की कमी से पीड़ित राधा, पुल्लाबाई और यमुना की दृष्टि फिर से बहाल हो। निर्मला, विलास और संजय के लिए जो विवाह के लिए तैयार हैं उन्हें योग्य मसीही जीवनसाथी मिल सके।

बोराडीः

ओमप्रकाश एवं सपना

स्तुतिः बोराडी गाँव की गर्भवती महिला बबीता की रक्षा के लिए प्रार्थना करें जिसका पहले गर्भपात हो गया था, पूरे तीन दिनों तक भ्रूण उसके गर्भ में रहा। परमेश्वर की कृपा से जेनाबानी, बहबल्ला और अंबाला गाँव में सुसमाचार का प्रचार किया गया। निम्बाबारी गाँव में बाल बाइबिल कक्षाएं आयोजित की गईं। उमरी गाँव में आयोजित महिला सम्मेलन में 70 महिलाओं ने भाग लिया और वे आशीषित हुईं।

प्रार्थनाः शरीर पर फोड़े–फुंसियों से पीड़ित अनीश और वसंता के चंगाई के लिए प्राथ्रना करें। क्षया रोग से पीड़ित लक्ष्मी और अवसाद से पीड़ित सुमी, शर्मिला, अंजलि और मोहन के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। सुसमाचार की घोषणा के लिए गठित युवा समूह और चर्च के बुजुर्गों के समूह के लिए प्रार्थना करें कि प्रभु उन्हें शक्तिशाली रूप से इस्तेमाल करे।

मार्च
27
गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमूर्ति टी.

खानदेश क्षेत्रः

जुबराज बर्धन एवं जशमिन

स्तुतिः क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित प्रार्थना सभा में बहुत से विश्वासियों ने भाग लिया और उत्साह के साथ प्रार्थना की। जब हमारी छात्रा अर्पिता की गर्दन उड़ती पतंग की डोर से कट गई, तो प्रभु ने उसे सही उपचार दिलाने और चंगी होने में मदद की। पूरी तरह से लकवाग्रस्त और बिस्तर पर पड़ी रोकट गाँव की महिला ताइबेन को विश्वासियों की प्रार्थना के द्वारा आश्चर्यजनक चंगाई मिली। आज ताइबेन का परिवार हमारे चर्च की आराधना सेवा में भाग ले रहा है। कई वर्षों की प्रार्थना के बाद, प्रभु ने रोकट गाँव में चर्च बनाने के लिए उपयुक्त भूमि प्रदान की है।

प्रार्थनाः गर्दन में सूजन के कारण भोजन करने में असमर्थ अरविंद के चंगाई के लिए प्रार्थना करें। ऋतंबाई को अवसाद से मुक्ति मिले। गाय के हमले से घायल यमुना की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। दुर्घटना के कारण नींद की तकलीफ से परेशान कमली बेन की शांति और चंगाई के लिए प्रार्थना करें। जादूगर विनोद के लिए प्रार्थना करें जिसने अपना जादू का पेशा त्यागकर चर्च में जा रहा है मसीह यीशु में उद्धारक ज्ञान प्राप्त करे। पंचायत निकायों के लिए प्रार्थना करें कि वे रोगत, कसारपारी और पंजपोली गाँवों में चर्च के निर्माण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करें।

कर्नाटक

निदागुंडीः

मांज्या नायक एवं एल रत्ना

स्तुतिः हमारे विश्वासी उषा के विवाह समारोह के लिए जो मसीही विधिविधान के अनुसार सम्पन्न किया गया था गाँव के लिए एक गवाही थी। विजयलक्ष्मी का आंगनवाड़ी में काम समाप्त हो गया था, उसकी प्रार्थनाओं के उत्तर में उसे अपना पद वापस मिला। अशोक जो अपने सी.ए. की पढ़ाई के लिए पैसे जुटाने के लिए संघर्ष कर रहा था, उसे एक मसीही आंदोलन के माध्यम से सब्सिडी मिली, जिससे वह अपनी सी.ए. की पढ़ाई जारी रख सका। जयश्री के लिए जो अपनी भेड़ों के झुंड को चराने के लिए जंगल के इलाकों में ले गई थी, एक भेड़िये से चमत्कारिक रूप से बच गई जिसने उस पर हमला किया था।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि राधिका और बसावराज के बीच सुलह हो जाए, जो शादी के बाद अलग-अलग जीवन जी रहे हैं। गरीबी से जूझ रहे नवीना और राजी के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे ईश्वर की कृपा से ऊपर उठने पाएँ और उन्हें एक उपयुक्त नौकरी मिल सके। नीलाम्मा और सुक्कुदेवी को ईश्वर का भय मानने वाले योग्य जीवन साथी मिल सकें।

मार्च 28 शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती जेरीनाह शिमरा

मुंडारगीः

सामुएल बेबरता

स्तुतिः कई युवाओं ने आयोजित सुसमाचार प्रश्नोत्तरी सत्र में खुशी–खुशी हिस्सा लिया। कुनरिसेकारी गाँव में बच्चों के बाइबिल क्लब का आयोजन किया गया। मार्था और प्रभाकर की आजीविका को बनाए रखने के लिए सिलाई मशीन खरीदने के लिए परमेश्वर ने सहायता की।

प्रार्थनाः जयप्पा, वाडेकर, चंद्रसार, महेश, शिवम्मा और नंदिनी के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। अंबेडकर और मुचिगर के लिए प्रार्थना करें जो सार्वजनिक रूप से आने विश्वास का अंगीकार करने के लिए तैयार हो रहे हैं। विश्वास का अंगीकार कार्यक्रम बिना किसी परेशानी के आयोजन हो सके। हमारे विश्वासियों के किशोर बच्चों के लिए प्रार्थना करें कि वे आराधना सेवा में भाग लें। प्रार्थना करें कि प्रभु युवाओं को युवा सभाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करे। ऋण के बोझ में फंसे हमारे विश्वासियों को प्रभु छुटकारा प्रदान करे तथा उनकी गरीबी से त्रस्त जीवन की स्थिति को बदले।

शिग्गांव एवं मुंडगोडः

नरेंद्र कुमार

स्तुतिः 9 वर्षीय श्रुति को उच्च रक्त शर्करा स्तर का पता चला और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, और परमेश्वर ने उसे चंगाई दी तथा सुरक्षित घर लौट आई। परमेश्वर ने शकुंतला को एक सुंदर बच्चे का आशीर्वाद दिया। परमेश्वर ने विजया को दुर्घटना में मामूली चोटों के साथ बचा लिया। परमेश्वर ने मंजुला को एक कार खरीदने में सक्षम बनाया।

प्रार्थनाः 9 साल के बच्चे को मधुमेह से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि संगनूर और थुनसी के उपक्षेत्रों में सेवकाई फलदायी हो। प्रार्थना करें कि आगामी साधकों का शिविर सफलतापूर्वक आयोजन हो सके। कार्यक्रम में बहुत से लोग इसमें भाग लें और अपने जीवन में मसीह को स्वीकार करें।

मुंडगोड़ः

गिरी बाबू एवं लूर्धू मैरी

स्तुतिः परमेश्वर की कृपा से, सदागरवल्ली गाँव में एक नई आराधना समूह स्थापित की गई। शिव–रेशमा, मंजुनाथ–ललिता, सरोजा और एरम्मा के परिवारों ने सुसमाचार के प्रचार पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। नए साल की आराधना सेवाएँ अद्भुत तरीके से आयोजित की गईं।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि एलापुर, वरुर, कलकत्तास , सप्पी और सिरिसी गाँवों में नए संपर्क स्थापित किए जाएं, जहां आउटरीच सेवकाई के माध्यम से सुसमाचार का प्रचार किया गया। इन सभी गाँवों में नए आराधना समूह शुरू की जाएं। परमेश्वर शिवा–रेशमा, मंजूनाथ–गीता, गौरव तथा सारा परिवारों को संतान सुख प्रदान करे।

मार्च
29
शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती एलिस रंजीत जेम्स

श्री जॉन एंड्रयूज सुगिर्थाराज

हुबली क्षेत्र:

सुनील कुमार एवं संगीता

स्तुतिः इड्डाही गाँव में एक नई आराधना समूह का गठन किया गया है। कोडुगु जिले के लोगों के बीच सुसमाचार साझा करने के अवसरों का पता लगाने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया है। पंचायत ने सिरहट्टी गाँव के विश्वासियों के लिए प्रदान किए गए कब्रिस्तान परिसर की दीवार के निर्माण को वित्तपोषित किया है।

प्रार्थनाः नंदकाड़ और एलबर्गा क्षेत्रों में चर्च निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि का सर्वेक्षण किया जाए और उचित अनुमति प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि हमारे स्थानीय प्रचारक संतोष पर लगाए गए झूठे मामले का अंततः उनके पक्ष में निपटारा हो। हमारे विश्वासियों के युवा बच्चों को अच्छी नौकरी मिल सके। विवाहित जीवन के 5 वर्षों निःसंतान ललिता, शोभा और अश्विनी के परिवारों को परमेश्वर संतान प्रदान करें।

आंध्र प्रदेश

पालमनेरः

पॉल कुप्पुसामी एवं शिला के.

स्तुतिः पासवराजकंदरीगा गाँव में आराधना सेवा के दौरान हर हफ्ते चर्च में नए संपर्क आ रहे हैं। जब सुब्रमण्यम ने अपने मूत्र मार्ग में शल्य चिकित्सा ठीक नहीं हुए थे तब भी वे आराधना में आए और प्रार्थना की और चमत्कारिक रूप से ठीक हो गए। कई दिनों से बिस्तर पर पड़ी गंगा राजी को विश्वास की प्रार्थनाओं के द्वारा चंगाई मिली।

प्रार्थनाः सरस्वती, वेंकटराम और अन्य नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे आध्यात्मिक जीवन और विश्वास में आगे बढ़ें। चर्च के प्राचीनों के कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित किय जा सके। तीन बार टाइफॉइड बुखार से पीड़ित शालिनी को चंगई की पूर्ण अनुभूति प्राप्त हो। कुमारी के परिवार को गरीबी से उबारने और जीविका के लिए नौकरी पाने में सक्षम बनाने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें। शराब की लत के आदी गंगाधर के पश्चाताप और आदत छोड़ने के लिए प्रार्थना करें ताकि परिवार में शांति कायम हो।

स्वर्ग की सेनाओं के स्वामी!

करनैल सिंह, एक राय सिक्ख, राजस्थान के अलवर मिशन क्षेत्र के मुबारकपुर गाँव के भोज सिंह नामक एक विश्वासी परिवार का विरोध कर रहे थे। उन्होंने उस गाँव में रहने वाले हमारे अन्य विश्वासियों का भी विरोध किया और उनके घरों में पानी और बिजली की सुविधा को अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने घर–घर जाकर चेतावनी भी दी कि कोई भी मसीह को स्वीकार न करे। इसके लिए, हमारे तप्पूकरा क्षेत्र के भोज सिंह के बेटे ने बड़ी शिद्दत से इसके लिए प्रार्थना की। इस परिस्थिति में, राय सिक्ख और जाट समुदाय के लोगों के बीच भयंकर लड़ाई छिड़ गई और इस लड़ाई के बाद, करनैल सिंह और उनके 15 लोग अपने गाँव से भाग गए। इस बात की गवाही तप्पूकरा क्षेत्र के भोज सिंह के बेटे ने चर्च में दी। प्रभु ने अपने बच्चों के लिए लड़ाई लड़ी। हल्लिलूय्याह!

मार्च 30 शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री कोंकणी संपतभाई, श्री अब्राहम एस. श्रीमती क्षेत्रिमयुम प्रिया देवी जीबेर

रोङ्गम: देबदत्ता लीमा एवं सोनिया रानी जेना

स्तुतिः राजम्मा को प्रार्थना में आने के बाद मानसिक अवसाद से चंगाई मिली। परमेश्वर ने लक्ष्मी–राजी परिवार को एक सुंदर बच्चे का आशीर्वाद दिया। लक्ष्मी देवी को प्रार्थना के द्वारा शैतान के बंधन से मुक्ति मिली। रेणुका और मल्लिका को जो सीने में तेज दर्द से पीड़ित थीं, चर्च में आने के बाद चंगाई मिली।

प्रार्थनाः पद्मा की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो डायलिसिस से गुजर रही है और शारीरिक रूप से बहुत कमजोर हो गई है। अक्सा की सुरक्षा के प्रार्थना करें जिसके गर्भ में पल रहा शिशु रक्त की कम मात्रा के कारण अपेक्षित विकास नहीं कर पा रहा है उसे चंगाई मिले। नौकरी छूटने से परेशान प्रियुता और अनिता को नई नौकरी मिलने के लिए प्रार्थना करें। प्रभु से प्रार्थना करें कि एलिजाबेथ को अपना घर बनाने के लिए संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। रोङ्गम गाँव में चर्च के निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि की खरीदी जा सके।

कुप्पमः

वेंकटेशन सी. एवं एन शशिकला

स्तुतिः परमेश्वर ने नंजरिया को एक हाथी के आक्रम से बचाया जो जंगल में काम करने के दौरान उस पर हमला किया था। पवित्रा और रोजा के सुरक्षित प्रसव का आशीर्वाद मिला। चर्च के प्राचीनों के सफल प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। निरंतर प्रार्थनाओं के कारण, पहले अलग हुए परिवार नागराज और पुनीता, चार्ल्स और भारती अब परमेश्वर की कृपा से एक दूसरे के साथ मिल गए हैं।

प्रार्थनाः जॉन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिसने अपना पैर कटवा लिया था, ताकि उसे अपने शरीर और आत्मा की चंगाई मिल सके। काव्या के माता–पिता के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो उसे एक अविश्वासी से विवाह करने के लिए मजबूर कर रहे हैं, वे एक विश्वासी जीवन साथी से विवाह करने में मदद करे। सुरेश और दुर्गाराज के परिवारों में व्याप्त उलझनों को हल करने और एक–दूसरे के साथ मेल–मिलाप करने के लिए प्रार्थना करें। कलीसिया के प्राचीनों की आगामी प्रशिक्षण शिविर और युवा सभाएँ बिना किसी बाधा के आयोजित की जाएँ।

महिलाओं की प्रार्थनाएँ जिसने उनका जीवन बदल दिया!

रतिया क्षेत्र के एमपी सोतर गाँव के निवासी बलवीर सिंह नशे के आदी थे। वह रोजाना बड़ी मात्रा में नशा करते थे, काम से बचते थे, हर किसी से बहस करते थे और अपनी पत्नी के साथ मारपीट करते थे। खेड़ा और एमपी सोतर गाँव के विश्वासियों ने बलवीर की पत्नी मंजीत कौर से मुलाकात और उसके साथ सुसमाचार साझा किया तथा उसके लिए प्रार्थना करना शुरू कर दी। उनकी लगातार प्रार्थनाओं के द्वारा परमेश्वर ने बलवीर के जीवन को बदल दिया। उसने अपनी लत पर काबू पा लिया, अपनी सभी नशीली दवाओं को त्याग दिया और मसीह का सेवक बन गया। अब, परिवार मसीह की शक्ति की गवाही के रूप में जीवन बिता रहे हैं। हलेलुयाह!

मार्च
31
सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती अमिरधा गोल्डा असीर
श्री जॉन एजुंग
श्रीमती थोती गुर्रमवारी हिमा बिन्दु रमेश
श्री बसंत गुरु

तमिलनाडु

वेट्टावलमः उज्ज्वल जया कुमार एवं ब्यूला

स्तुतिः केलाया, सोराधुर और बिग ओलापड़ी गाँवों में नियोजित वीबीएस कार्यक्रम परमेश्वर की महिमा के लिए बिना किसी बाधा के संचालित की रही है। बिग ओलापड़ी गाँव में आयोजित हर मंगलवार की प्रार्थना संगति में कई लोग हिस्सा लेते हैं।

प्रार्थनाः प्रार्थना करें कि आने वाले महीनों में इन गाँवों में आराधना समूहों की स्थापना की जाए। धनिकाचलम और सुभलक्ष्मी, गुवेंद्रन और माहेश्वरी, कन्नन और शिवरंजिनी और चंद्रा के परिवारों के लिए प्रार्थना करें जो बाइबल क्लब में भाग लेने वाले अपने बच्चों के माध्यम से प्रभु को जानते हैं वे मसीह यीशु के उद्धारक विश्वास में आ सकें। नीलम और होबेर के अलग हुए परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे मेल–मिलाप करें और शांति से एक साथ रहना शुरू कर सकें। मणि के परिवार की सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें जिनकी मृत्यु अचानक हो गई।

एन्चेटीः डेविड निकोलसन एवं आइवी

स्तुतिः ईश्वर की कृपा से 4 गाँवों में किए जा रहे अनुवर्ती सेवकाई के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। ईश्वर की महिमा के लिए हमारे मिशनरियों और स्वदेशी कार्यकर्ताओं को ईश्वरीय सुरक्षा और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रभु को धन्यवाद दें।

प्रार्थनाः कधवी, मुनिराज, शेखर, शांति, पंडियाराज, नागराज, शकुंतला, नागेंद्रन और वनिता के परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह यीशु में उद्धार प्राप्त करे। हिल्डा और विक्टोरिया को गुर्दे की बीमारी से, थिरुकुमारन को मिर्गी से, शेखर को हृदय रोग से और पीटर और मणिकम को सांस लेने की समस्या से चंगाई मिले। दुर्घटना में घायल हुई 10 वर्षीय एस्तेर की पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

प्रार्थना की शक्ति!

पिंपलनेर के खेतों में रोहट गांव की एक अधेड़ आयु वर्ग की महिला थाईबेन अपने हाथों और पैरों में तेज दर्द के कारण बिस्तर पर पड़ी हुई थी, जिसके कारण उसे लकवा हो गया था। कई स्थानीय चिकित्सकों और पुजारियों के पास जाने और कई पूजा–पाठ करवाने के बावजूद उसे कोई राहत नहीं मिली। फिर एक रिश्तेदार ने उसके लिए प्रार्थना करने को एक मिशनरी को उसके घर ले आया। मिशनरी ने अन्य विश्वासियों के साथ मिलकर इस घटना को साझा और सुसमाचार सुनाया। उस पर तेल मला। और प्रार्थना की। हर दिन, विश्वासियों का एक समूह उसके घर आता, और लगातार प्रार्थना करता रहता था। एक सप्ताह के भीतर, थाइबेन, जो छह महीने से बिस्तर पर थी, बैठने में सक्षम हो गई। इसके तुरंत बाद, बैसाखी के सहारे, वह खड़ी हो गई और धीरे–धीरे चलने लगी। उसका परिवार अब परमेश्वर की स्तुति करने और अपने रिश्तेदारों के साथ मसीह का संदेश साझा करने के लिए कलीसिया में जाते हैं। हल्लेलुय्याह!

1000 घंटों की श्रृंखला की प्रार्थना

2025 मार्च 5 से अप्रैल 17

आइए हम 2025 के इस महाउपवासकाल के दौरान परमेश्वर के संतानों के रूप में उसके चरणों में बैठें और कलीसियाओं, संस्थाओं और मिशनरियों के पुरुद्धार तथा राष्ट्र की आशीष के लिए प्रार्थना करें!

प्रार्थना के तरीके

24 –घंटे श्रृंखला की प्रार्थना (प्रति दिन 24 लोगों के एक–एक घंटे की प्रार्थना) 12–घंटें की उपवास प्रार्थना

चर्च की प्रार्थना समूहों में, मोबिलाईजेशन क्षेत्रों एवं मिशन क्षेत्रों में।
सभी मोबिलाईजेशन प्रान्तों/मिशन क्षेत्रों में

एक दिन, दो दिन/ तीन दिनों की विशेष उपवास प्रार्थना

क्षेत्रीय मोबिलाईजेशन प्रांतों एवं क्षेत्रीय स्तर पर मिशन क्षेत्रों में

3/6 घंटों की विशेष मध्यस्थता की प्रार्थनाएँ

प्रार्थना दलो/कलीसियाओं/हमारे अगुवों एवं सहयोगियों के परिवारों में

आईए हम इस प्रार्थना श्रृंखला में व्यक्तिगत, परिवार, प्रार्थना समूहों, एवं कलीसियाओं के रूप में शामिल हों! आईए हम हमारे देश में परमेश्वर की महिमा को देखें!

Contact

Friends Missionary Prayer Band, 29 High School Road, Ambattur, Chennai-600053.
Ph: 044-26574343/ 26574353 Email: Premfmpb@gmail.com / prayer@fmpb.org

Go into [illegible] gospel to all creation

friends missionary prayer band

To Tend the Olive Shoots - The Second Generation Believers

Wanted

TEACHERS, MEDICAL PROFESSIONALS

WE ARE HIRING

PASSIONATE AND QUALIFIED

Teachers / Nurses / X-Ray Technicians
Pharmacist / Anesthesiologist / Pediatrician

SCHOOL AT JHARKHAND (PANDENI):

Mathematics / Science / History / PET

SCHOOL AT GUJARAT (JHAWDA):

Mathematics / Physics / Biology / Chemistry

HOSPITAL AT JHARKHAND:

Nurses/ X-ray Technician / Pharmacist

WHY JOIN US?

- It is an opportunity to serve our Lord through your profession for a few years in your life time.
- This is an investment for the Lord's Kingdom's sake in the life of young believers.
- An opportunity to transform a community by giving them good Education or Medical service.

WHO CAN APPLY

- Candidates with good communication skills in English.
- Precious with good knowledge of the subject can apply
- Candidates with a Missionary heart who are willing to stay on campus

Join our Team as we are involved in shaping the future of the children from the marginalized society!
If you have a heart for souls and a commitment to shaping a community apply today!

Send your resume To the HRD: hrd@fmpb.org

FOR FURTHER CONTACT: FMPB, 29, HIGH SCHOOL ROAD, AMBATTUR, CHENNAI-53. PH.: 044-26570404 / 26572353

Published by: S. John Berlin on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org **Printed by:** Rasi Graphics (P) Ltd. No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. **Editor: S. John Berlin**